RNI No: DELMUL/2012/47011

21 नवंबर, 2026 शनिवार

नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 233

अनोखे अंदाज और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

www.timesofpedia.com Email: timesofpedia@gmail.com



सीएसके में कोई धोनी के स्तर तक नहीं पहुंच पायेगा: इरफान पठान 08



बोत्सवाना से लाई गई मादा चीता ने दिए चार शावकों को जन्म

कूनो में बढ़ा कुनबा भारत में अब 62 चीते

उपलब्धि: 43 चीते ऐसे, जिनका जन्म देश की धरा पर हुआ

वेब वार्ता, श्योपुर

मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क से वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक बेहद उत्साहजनक खबर सामने आई है। प्रोजेक्ट चीता के तहत बोत्सवाना से भारत लाई गई ढाई वर्ष की मादा चीता केओएमजी-3 ने पार्क के प्राकृतिक वातावरण में चार स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है।

इस सुखद घटना के साथ ही भारत में चीतों का कुल कुनबा बढ़कर 62 हो गया है। इनमें से 43 चीते ऐसे हैं, जिनका जन्म भारतीय धरती पर हुआ है। भारत में जन्मे चीतों की संख्या 43 तक पहुंचना पुनर्वास प्रक्रिया की निरंतर प्रगति को दर्शाता है। चार नए नन्हे मेहमानों के आगमन से कूनो एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वन्यजीव संरक्षण के केंद्र में आ गया है।

मुख्यमंत्री ने जताया गर्व

कूनो की इस सफलता पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने इसे प्रोजेक्ट चीता के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण उपलब्धि करार दिया। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू हुआ यह कार्यक्रम वन्यजीव संरक्षण के संकल्प की बड़ी सफलता है, जो मध्यप्रदेश के लिए विशेष गर्व का विषय है। उन्होंने प्रोजेक्ट से जुड़े सभी वन्यजीव विशेषज्ञों, पशु चिकित्सकों और वनकर्मियों को हार्दिक बधाई दी।

- फिर 6000 दाम घटे, चांदी के दाम भी 10 हजार गिरे
- भोपाल में अब सोने का भाव 1,25,620 रुपए प्रति 10 ग्राम

एक साल में सोना सबसे सस्ता अब 1.23 लाख रुपए तोला

सोना 30, चांदी 60 फीसदी गिरी, 1.50 लाख पर आई



वेब वार्ता, भोपाल/नई दिल्ली

देश में सोना और चांदी की कीमतों में लगातार भारी गिरावट जारी है। शुक्रवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 5,947 रुपए सस्ता होकर 1.23 लाख पर आ गया है। इस गिरावट के बाद सोना एक साल पुराने स्तर पर पहुंच गया है। पिछले साल 24 नवंबर को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,23,308 रुपए था, जिसके बाद सालभर तक इसके दाम ऊंचे बने रहे थे। इसी तरह, शुक्रवार को चांदी के भाव में भी 9,789 रुपए प्रति किलो की बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जिससे चांदी लुढ़ककर 1.50 लाख रुपए प्रति किलो पर आ गई है। 2026 में सोने-चांदी में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है।

सोना 52,400 रु. तक सस्ता

31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.33 लाख रुपए था, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के अपने ऑल-टाइम हाई स्तर पर पहुंच गया था। तब से लेकर अब तक सोना करीब 52,400 रुपए यानी 30 प्रतिशत सस्ता हो चुका है।



भोपाल और लखनऊ में सोना सस्ता

दो राज्यों की राजधानी भोपाल और लखनऊ में 24 कैरेट सोने की कीमतों में गिरावट आई है। मप्र की राजधानी भोपाल में अब सोने का भाव 1,25,620 रुपए प्रति तोला है। वहीं उत्तर प्रदेश की लखनऊ में यह 1,25,720 रुपए प्रति तोला हो गया है।

सोना: कैरेट के दाम

SS14	72,997 रुपए
18	92,688 रुपए
22	1,13,203 रुपए
24	1,23,584 रुपए

शहर	भाव (रुपए में)
जयपुर	1,25,720
दिल्ली	1,25,720
लखनऊ	1,25,720
पटना	1,25,620
अहमदाबाद	1,25,620
भोपाल	1,25,620
मुंबई	1,25,570
रायपुर	1,25,570
चेन्नई	1,25,570
कोलकाता	1,25,570

भाव: 24 कैरेट प्रति 10 ग्राम।

चांदी 2.29 लाख सस्ती

दिसंबर 2025 को 2.30 लाख किलो बिकने वाली चांदी 29 जनवरी को 3.80 लाख के उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। अब तक चांदी करीब 2.29 लाख रुपए यानी 60 फीसदी तक सस्ती हो चुकी है।

प्रधानमंत्री स्वनिधि संचालन में देशभर में लहराया परचम

अब 'सर्वश्रेष्ठ' मध्यप्रदेश

सर्वश्रेष्ठप्रदर्शन और सर्वाधिक ऋण देने में प्रथम स्थान

मिलियन प्लस सिटी श्रेणी में नगर निगम इंदौर को देश में प्रथम पुरस्कार

टाउन सिटी श्रेणी में सारणी ने द्वितीय, बालाघाट ने तृतीय स्थान किया प्राप्त, केंद्रीय मंत्री ने नई दिल्ली में किया सम्मानित

वेब वार्ता, भोपाल

प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली स्थित डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में आयोजित स्वनिधि सम्मान पुरस्कार-2026 समारोह में मध्यप्रदेश को दो शीर्ष राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा गया। प्रदेश ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य और सर्वाधिक ऋण वितरण दोनों ही श्रेणियों में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल एवं केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू के हाथों मध्यप्रदेश की ओर से नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी और वरिष्ठ अधिकारियों ने यह सम्मान ग्रहण किया।



नगरीय निकायों का दबदबा

राज्य के साथ-साथ प्रदेश के तीन प्रमुख नगरीय निकायों ने भी राष्ट्रीय मंच पर मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया है। मिलियन प्लस सिटी श्रेणी में नगर निगम इंदौर ने पथ विक्रेताओं के वित्तीय समावेशन और संस्थागत ऋण उपलब्ध कराने में उत्कृष्ट कार्य करते हुए देश में पहला स्थान हासिल किया है। वहीं, टाउन सिटी श्रेणी में सतपुड़ा अंचल की नगर पालिका परिषद सारणी ने द्वितीय तथा जनजातीय बाहुल्य महाकोशल क्षेत्र की नगर पालिका परिषद बालाघाट ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मालवा से लेकर जनजातीय अंचल बालाघाट तक मिली यह सफलता प्रमाणित करती है कि योजना का लाभ प्रदेश के अंतिम छोर पर खड़े हितग्राहियों तक पारदर्शिता के साथ पहुंचा है।

राज्य के 10.87 लाख पथ विक्रेताओं को संबल

पीएम स्वनिधि योजना ने प्रदेश के छोटे व्यवसायियों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। मध्यप्रदेश में अब तक 10 लाख 87 हजार से अधिक रेहड़ी-पटरी, ठेला और फल-सब्जी विक्रेताओं को योजना से लाभान्वित किया जा चुका है। प्रदेश में 17 लाख 22 हजार से अधिक ऋण प्रकरणों के माध्यम से 2 हजार 827 करोड़ 84 लाख रुपए की वित्तीय सहायता वितरित की गई है। बिना किसी गारंटी के कार्यशील पूंजी मिलने से पथ विक्रेताओं को न केवल अपना व्यवसाय संचालित करने में मदद मिली, बल्कि उनके कारोबार का विस्तार भी हुआ है।

महिला सशक्तिकरण में पेश की नई मिसाल

आर्थिक सहायता के साथ-साथ प्रदेश के पथ विक्रेताओं ने डिजिटल अर्थव्यवस्था को भी तेजी से अपनाया है। राज्य के 7 लाख 61 हजार से अधिक विक्रेता डिजिटल लेनदेन कर रहे हैं, जिसके फलस्वरूप उन्हें 59 करोड़ 72 लाख रुपए से अधिक की कैशबैक प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई है। योजना की एक और बड़ी विशेषता महिला सशक्तिकरण है, क्योंकि कुल हितग्राहियों में लगभग 40 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की है। इससे महिलाओं को स्वरोजगार के नए अवसर मिले हैं और उनकी पारिवारिक आय में वृद्धि हुई है।

सामूहिक प्रयासों से मिली मजबूती

सीएम डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को मिली इस गौरवपूर्ण उपलब्धि का श्रेय जनप्रतिनिधियों, नगरीय निकायों के अधिकारियों-कर्मचारियों, बैंकिंग संस्थाओं और पथ विक्रेताओं के सामूहिक प्रयासों को दिया है। प्रदेश सरकार आगामी समय में भी पात्र हितग्राहियों को संस्थागत ऋण, डिजिटल भुगतान और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़कर शहरी आजीविका को निरंतर सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ब्रीफ न्यूज

अब भारत में मिसाइल टेस्टिंग करेगा जापान

टोक्यो। भारत-जापान के बीच रक्षा सहयोग में बड़ा कदम उठाया गया है। जापान की सेना अगले साल से लंबी दूरी की मिसाइलों की टेस्टिंग भारत की फायरिंग रेंज में कर सकेगी। दोनों देशों के बीच टोक्यो में हुई मंत्रिस्तरीय वार्ता में इस पर सहमति बनी है।

नेपाल पीएम बालेन्द्र शाह कल भारत दौरे पर आएंगे

काठमांडू। नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह 22 नवंबर से भारत की दो दिवसीय यात्रा पर आएंगे। 27 मार्च को पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली आधिकारिक द्विपक्षीय विदेश यात्रा होगी। भारत के दौरे को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

राजस्थान: सीएम के जिले में 31 में 21 सीट पर जीती कांग्रेस

जयपुर। राजस्थान पंचायत चुनाव में सीएम भजनलाल शर्मा के गृह जिले भरतपुर में भाजपा को बड़ा झटका लगा है, जहां जिला परिषद की 31 में से 21 सीटें जीतकर स्पष्ट बढ़त हासिल कर ली है। जबकि भाजपा सिर्फ 9 सीटें ही जीत सकी है।

बांग्लादेश में विदेश राज्य मंत्री के घर में आग लगाई

ढाका। बांग्लादेश में विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर के घर पर शुक्रवार को पेट्रोल बम फेंककर आग लगा दी गई। घटना के समय हुमायूं कबीर वहां मौजूद नहीं थे। घटना के बाद आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

भोपाल के वैज्ञानिकों ने बनाई बर्ड फ्लू की स्वदेशी वैक्सीन

वेब वार्ता, भोपाल

भारत ने पोल्ट्री क्षेत्र को बर्ड फ्लू से बचाने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भोपाल स्थित आईसीएआर के राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान के वैज्ञानिकों ने एच 5 एन 1 बर्ड फ्लू की दुनिया की पहली स्वदेशी वैक्सीन तैयार की है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को भोपाल में इसे राष्ट्र को समर्पित किया। इसकी एक खुराक मात्र 1 से 2 रुपए में उपलब्ध होगी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने भोपाल में 300 करोड़ रुपए की लागत से नई अत्याधुनिक लैब बनाने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा-2006 से अब तक देश में बर्ड फ्लू के 500 से अधिक प्रकोप हो चुके हैं और पशु बीमारियों से सालाना 56 हजार करोड़ का नुकसान होता है। यह वैक्सीन पोल्ट्री उद्योग की सुरक्षा और पशुपालकों की आय बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगी।



सबसे सस्ती: एक डोज सिर्फ 2 रुपए में होगी उपलब्ध

कांग्रेस के 81 सचिव में 50% पिछड़े-दलित

चुनावी राज्यों में राहुल गांधी का सामाजिक न्याय वाला पैंतरा

वेब वार्ता, नई दिल्ली

कांग्रेस ने संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए 81 राष्ट्रीय सचिवों की नियुक्ति और पुनर्नियुक्ति की है। कांग्रेस अध्यक्ष की मंजूरी से जारी इस सूची में 43 नए चेहरों को मौका दिया गया है, जबकि 25 पुराने नेताओं को हटा दिया है।81 राष्ट्रीय सचिवों में से 50 फीसदी पिछड़ा, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक वर्ग से हैं।समीकरणों को साधते हुए इसमें 29 सामान्य, 20 ओबीसी, 5 ईबीसी, 11 एससी, 5 एसटी और 11 अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं को शामिल किया गया है। 12 महिलाओं को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है, जो कुल संख्या का 15 फीसदी है। वहीं, सूची में शामिल दो-तिहाई नेताओं की उम्र 50 साल से कम रखी गई है।



मप्र का बढ़ा कद

फेरबदल में मध्य प्रदेश के तीन नेताओं का कद बढ़ा है। पूर्व विधायक कुणाल चौधरी को यूपी, मप्र विधानसभा की पूर्व उपाध्यक्ष हिना कांवरे को पंजाब और भूपेंद्र मरावी को झारखंड का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है।

राज्य	सचिव
उत्तरप्रदेश	06
पंजाब	04
गुजरात	04
उत्तराखंड	03

पीएम मोदी बोले- दुनिया में युद्ध और अशांति पर चर्चा



एससीओ समिट में पाकिस्तानी मंत्री रहे मौजूद

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने शुक्रवार शाम दिल्ली के पुराना किला में पहले एससीओ सिविलाइजेशनल डायलॉग फोरम का उद्घाटन किया। शुक्रवार से 22 नवंबर तक चलने वाले इस फोरम में पाक के जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण समन्वय मंत्री मुसादिक मसूद मलिक समेत कई देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह पहली बार है, जब पाकिस्तान का कोई मंत्री भारत आया है। पीएम मोदी ने कहा- दुनिया इस समय उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। ऐसे में सांस्कृतिक सहयोग और आपसी जुड़ाव से वैश्विक शांति का रास्ता मजबूत हो सकता है। जब दुनिया में युद्ध और अशांति पर चर्चा हावी है, तब भारत में सभ्यताओं के बीच संवाद हो रहा है। सांस्कृतिक जुड़ाव वैश्विक शांति के लिए जरूरी है।



मां की पार्थिव देह देख भावुक हुए सीएम योगी

- फूल चढ़ाए और खड़े होकर मां को एक टक निहारते रहे
- प्रधानमंत्री ने फोन पर की बात, आज होगा अंतिम संस्कार

वेब वार्ता, लखनऊ



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उन्होंने शुक्रवार सुबह 11 बजे उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल स्थित अपने पैतृक गांव पंचूर में अंतिम सांस ली। उनके भाई महेंद्र के अनुसार, वे पिछले एक साल से बोलने में असमर्थ थीं और सुबह उन्हें सांस लेने में काफी तकलीफ हो रही थी। निधन के समय घर पर महेंद्र और उनका परिवार मौजूद था। इस दुखद घटना की सूचना मुख्यमंत्री को उस समय मिली, जब वे गोरखपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। भाषण समाप्त होने के बाद उनके सलाहकार अवनीश अवस्थी ने उन्हें यह जानकारी दी, जिसके तुरंत बाद वे उत्तराखंड के लिए रवाना हो गए। पैतृक गांव पहुंचकर अपनी मां की पार्थिव देह देखकर सीएम योगी बेहद भावुक हो गए और काफी देर तक उन्हें एकटक निहारते रहे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से फोन पर बात कर इस अपूरणीय क्षति पर गहरा शोक व्यक्त किया है। सावित्री देवी का अंतिम संस्कार शनिवार को ऋषिकेश के संपूर्णानंद घाट पर किया जाएगा।

चिंता केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट: देश के एक भी प्रमुख बांध में सामान्य स्तर तक पानी नहीं बचा

सावधान! देश के जलाशयों का पेट 38 फीसदी खाली

वेब वार्ता, नई दिल्ली

देश के प्रमुख 178 जलाशयों में पानी का भंडारण निरंतर घटता जा रहा है। केंद्रीय जल आयोग द्वारा जारी साप्ताहिक रिपोर्ट के मुताबिक, इन जलाशयों में कुल क्षमता (257.212 बीसीएम) का मात्र 62 फीसदी यानी 184.762 अरब क्यूबिक मीटर पानी ही बचा है। चिंताजनक स्थिति यह है कि देश के एक भी प्रमुख बांध में सामान्य स्तर तक पानी नहीं है। जल संकट की सबसे भयावह तस्वीर दक्षिण भारत में दिख रही है। यहां निगरानी किए जाने वाले 50 जलाशयों (कुल क्षमता 55.879 बीसीएम) में केवल 38.64 फीसदी (21.594 बीसीएम) पानी शेष है, जबकि पिछले साल यह स्तर 86.45 फीसदी और 10 साल का सामान्य औसत 73.10 फीसदी था। क्षेत्र के 20 जलाशयों में 40 फीसदी से भी कम पानी बचा है। राज्यों की बात करें तो सामान्य भंडारण की तुलना में आंध्र प्रदेश में 60.42 फीसदी, तेलंगाना में 59.13 फीसदी, तमिलनाडु में 48.27 फीसदी, कर्नाटक में 41.13 फीसदी और केरल में 13.5 फीसदी कम पानी दर्ज किया गया है।

उत्तर भारत के 11 जलाशयों में कुल क्षमता का 53.27 फीसदी पानी बचा

छग में सामान्य से 0.31 फीसदी और मध्य प्रदेश में 8.57 फीसदी कम पानी



उत्तर और पश्चिम के जलाशय भी रीते

उत्तर भारत के 11 जलाशयों में कुल क्षमता का 53.27 फीसदी (10.566 बीसीएम) पानी बचा है, जो पिछले साल के 84.84 फीसदी और सामान्य स्तर (71.64 फीसदी) से काफी नीचे है। यहां राजस्थान में सामान्य से 31.65 फीसदी, पंजाब में 28.99 फीसदी और हिमाचल प्रदेश में 22.19 फीसदी कम पानी है। इसी तरह पश्चिम भारत के 58 जलाशयों में पिछले साल के 95.95 फीसदी के मुकाबले केवल 70.42 फीसदी (27.188 बीसीएम) पानी बचा है। इसमें महाराष्ट्र में सामान्य से 20.68 फीसदी, गुजरात में 9.33 फीसदी और गोवा में 0.44 फीसदी की कमी आई है।

एमपी में 8.57 फीसदी कम पानी

मध्य भारत के 28 जलाशयों में 78.87 फीसदी पानी है, जो पिछले साल से 80.94 फीसदी से कम है। छत्तीसगढ़ में सामान्य से 0.31 फीसदी और मध्य प्रदेश में 8.57 फीसदी कम पानी है। इसके उलट उत्तर प्रदेश में सामान्य से 21.51 फीसदी और उत्तराखंड में 7.68 फीसदी अधिक पानी उपलब्ध है। वहीं, पूर्वी भारत के 31 जलाशयों में 73.57 फीसदी पानी है। यहां असम, मेघालय, मिजोरम, झारखंड, बंगाल और बिहार के जलाशयों में सामान्य से कम पानी है, जबकि ओडिशा (2.20 फीसदी) और त्रिपुरा (1.57 फीसदी) में स्थिति सामान्य से बेहतर है।

क्वाडः सहयोग का मंच या शक्ति-संतुलन की नई धुरी?

हिंद-प्रशांत क्षेत्र आज विश्व राजनीति का ऐसा केंद्र बन चुका है, जहाँ समुद्री सुरक्षा, व्यापारिक हित, सामरिक प्रतिस्पर्धा और वैश्विक शक्ति-संतुलन एक-दूसरे से जुड़े हैं। चीन की बढ़ती सैन्य सक्रियता, समुद्री विवाद, व्यापारिक निर्भरता और महत्त्वपूर्ण तकनीकों पर नियंत्रण की होड़ ने इस क्षेत्र को रणनीतिक दृष्टि से संवेदनशील बना दिया है। ऐसे समय में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का चतुर्पक्षीय सहयोग समूह 'क्वाड' भारत की हिंद-प्रशांत रणनीति का महत्त्वपूर्ण आधार बनकर उभरा है। इसका महत्त्व केवल चार देशों के आपसी सहयोग तक सीमित नहीं, बल्कि एक ऐसी क्षेत्रीय व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा है, जिसमें स्वतंत्रता, नियमों का सम्मान, आर्थिक सुरक्षा और सामूहिक विकास को प्राथमिकता मिले।

भारत की हिंद-प्रशांत नीति का उद्देश्य किसी सैन्य गुट का हिस्सा बनकर शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि क्षेत्र में संतुलन, स्थिरता और सहयोग बनाए रखना है। क्वाड भारत को अपनी समुद्री, आर्थिक और तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने का अवसर देता है। हिंद महासागर भारत की आर्थिक जीवनरेखा है। देश का व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय संपर्क समुद्री मार्गों पर निर्भर हैं। मलक्का जलडमरूमध्य, होर्मुज जलडमरूमध्य और हिंद महासागर के प्रमुख व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा भारत के आर्थिक हितों से सीधे जुड़ी है। इन क्षेत्रों में किसी भी तनाव, अवरोध या समुद्री असुरक्षा का प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। क्वाड के माध्यम से समुद्री निगरानी, सूचनाओं के आदान-प्रदान, समुद्री डकैती की रोकथाम और सुरक्षित नौवहन में सहयोग बढ़ाया जा सकता है। क्वाड का दूसरा महत्त्वपूर्ण पक्ष क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन है। दक्षिण चीन सागर में विवाद, समुद्री सीमाओं को लेकर तनाव और एकतरफा गतिविधियाँ छोटे देशों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को बढ़ाती हैं। भारत ऐसी व्यवस्था का समर्थक है, जिसमें सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार अपने अधिकारों का उपयोग करने की स्वतंत्रता मिले। क्वाड इस दृष्टिकोण को सामूहिक स्वर प्रदान करता है। इसके माध्यम से भारत क्षेत्रीय शांति, समुद्री स्वतंत्रता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की वकालत कर सकता है। यह चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच संतुलन



बनाए रखने का अवसर भी है, लेकिन भारत की नीति टकराव के बजाय संयम और कूटनीति पर आधारित रहनी चाहिए। आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी क्वाड की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। वैश्विक संकटों, युद्धों और महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कुछ सीमित देशों पर अत्यधिक निर्भर आपूर्ति व्यवस्था अर्थव्यवस्था को कमजोर कर सकती है।

शेनझेन में इतिहास का सबसे बड़ा कूटनीतिक महा-मिलन!

ट्रंतीन महाशक्तियां,एक मेज और पूरी दुनिया का भविष्य! शेनझेन में ट्रंप-पुतिन- जिनपिंग का ऐतिहासिक महा -मिलन-क्या यूक्रेन युद्ध पर विराम, परमाणु हथियारों पर लगाम और अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध का निकलेगा समाधान? क्या बदलने जा रहा है दुनियाँ का शक्ति संतुलन? वैश्विक स्तपर दुनियाँ की राजनीति में 19 नवंबर 2026 का दिन एक ऐतिहासिक कूटनीतिक घटनाक्रम के रूप में दर्ज हो सकता है।चीन के शेनझेन शहर में आयोजित 33 वें एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) शिखर सम्मेलन के अवसर पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पहली औपचारिक त्रिपक्षीय बैठक ने पूरी दुनियाँ का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। दुनियाँ की तीन प्रमुख परमाणु शक्तियों के सर्वोच्च नेताओं का एक ही मेज पर बैठना केवल एकसामान्य कूटनीतिक मुलाकात नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन,अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा,आर्थिक प्रतिस्पर्धा और भविष्य की विश्व व्यवस्था के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। इस बैठक को अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों के बीच 'याल्टा 2.0' की संज्ञा भी दी जा रही है।हालांकि, अभी इसे 1945 के याल्टा सम्मेलन जैसी निर्णायक विश्व-व्यवस्था बनाने वाली बैठक मान लेना जल्दबाजी होगी। मैं एडवोकेट किशन ससनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र जय मानता हूं कि असली महत्व इस बात का होगा कि नेताओं के वक्तव्यों को कितने ठोस समझौतों और व्यावहारिक परिणामों में बदला जाता है।



साथियों बात अगर हम शेनझेन में तीनों नेताओं की आमने-सामने बातचीत,क्या इतिहास दोहराने की तैयारी को समझने की करें तो,इस ऐतिहासिक बैठक का आयोजन शेनझेन स्थित काइलिन विला में एपीईसी सम्मेलन के इतर हुआ।इससे पहले 18 नवंबर को तीनों नेता स्वागत समारोह में एक साथ दिखाई दिए थे।चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का हवाई अड्डे पर स्वयं पहुंचकर स्वागत किया,जिसे चीन- अमेरिका संबंधों में विशेष कूटनीतिक महत्व के संकेत के रूप में देखा गया।19 नवंबर को ट्रंप ने पहले पुतिन के साथ अलग बातचीत की और उसके बाद जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की।फिर तीनों नेता त्रिपक्षीय वार्ता के लिए एक ही मेज पर बैठे।इस बैठक में ट्रंप ने कहा कि तीनों देश दुनिया के सबसे बड़े देशों में शामिल हैं और पूरी मानवता को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर उनके बीच खुला, सम्मानजनक और सकारात्मक संवाद होना विशेष जिम्मेदारी है।उन्होंने इसे इतिहास बनाने वाला अवसर बताया। जिनपिंग ने कहा कि इतिहास बताता है कि जब बड़ी शक्तियां सद्भाव से रहती हैं तो दुनिया में शांति रहती है, लेकिन उनके बीच टकराव से वैश्विक अस्थिरता पैदा होती है। पुतिन ने भी कहा कि तीनों देशों के बीच क्षेत्रीय संघर्षों के समाधान में अनेक साझा हित मौजूद हैं। इस प्रकार शुरुआती वक्तव्यों में तीनों नेताओं ने अपने- अपने दृष्टिकोण से वैश्विक शांति, स्थिरता और सहयोग का संदेश दिया। साथियों बात अगर हम परमाणु हथियारों पर सबसे बड़ा मंथन,क्या दुनिया को मिलेगा परमाणु युद्ध के खतरे से छुटकारा? को समझने की करें तो,इस बैठक का सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय परमाणु हथियारों पर नियंत्रण रहा। अमेरिका, रूस और चीन दुनिया की तीन प्रमुख परमाणु शक्तियां हैं और इनके बीच किसी भी प्रकार का समझौता वैश्विक सुरक्षा के लिए दूरगामी परिणाम पैदा कर सकता है। ट्रंप ने स्पष्ट कहा कि तीनों देशों के पास परमाणु हथियारों के भंडार हैं और वे दुनिया में परमाणु हथियारों की संख्या घटाने तथा इनके इस्तेमाल के जोखिम को कम करने पर चर्चा करने की विशिष्ट स्थिति में हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि किसी देश के राष्ट्रपति के लिए परमाणु हथियारों को छोड़ना आसान निर्णय नहीं होता। दूसरी तरफ जिनपिंग ने परमाणु हथियारों पर व्यापक प्रतिबंध लगाने और उन्हें पूरी तरह समाप्त करने की अपील की। उनका कहना था कि परमाणु युद्ध न तो जीता जा सकता है और न ही उसे लड़ा जाना चाहिए।उन्होंने परमाणु हथियार मुक्त विश्व की परिकल्पना पर जोर दिया। यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना आवश्यक है कि परमाणु निरस्त्रीकरण की राजनीतिक अपील और वास्तविक हथियार नियंत्रण संधि दो अलग-अलग चीजें हैं।

किशन सनमुखदास भावनानी

फरवरी 2026 में अमेरिका और रूस के बीच न्यू स्टार्ट संधि की समाप्ति के बाद नए नियंत्रण ढांचे की आवश्यकता और बढ़ गई है। चीन का परंपरागत रुख रहा है कि अमेरिका और रूस पहले अपने बड़े परमाणु भंडार घटाएं, उसके बाद चीन को व्यापक वार्ता में शामिल करने की बात हो। इसलिए शेनझेन की बैठक ने संवाद का दरवाजा जरूर खोला है, लेकिन अभी किसी बाध्यकारी परमाणु निरस्त्रीकरण समझौते की घोषणा सामने नहीं आई है। साथियों बात अगर हम रूस- यूक्रेन युद्ध,पुतिन के लिए कूटनीतिक जीत या शांति की नई उम्मीद? को समझने की करें तो, रूस-यूक्रेन युद्ध इस बैठक का एक और अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू रहा। ट्रंप पहले से ही युद्ध समाप्त कराने की इच्छा व्यक्त करते रहे हैं। बैठक के दौरान उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष को लेकर चीन के सहयोग की संभावनाओं पर सकारात्मक रुख दिखाया। पुतिन ने भी कहा कि रूस, अमेरिका और चीन के बीच क्षेत्रीय संघर्षों के समाधान में अनेक साझा हित हैं और इनमें यूक्रेन संघर्ष भी शामिल है। उन्होंने वैश्विक शांति और सुरक्षा बनाए रखने की जिम्मेदारी का उल्लेख किया। इससे पहले ट्रंप और पुतिन के बीच अलग से लगभग 35 से 40 मिनट की मुलाकात भी हुई। यह औपचारिक द्विपक्षीय शिखर बैठक के बजाय सम्मेलन के इतर हुई संक्षिप्त बातचीत थी। इसमें यूक्रेन युद्ध प्रमुख विषय रहा और क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने इसे त्रिपक्षीय बैठक की तैयारी के संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया। पुतिन ने बातचीत के बाद सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

बुद्धू बक्से से लाइव दुनिया तक
एक स्क्रीन में सिमटी दुनिया



योगेश कुमार गोयल

वर्ष 1925 में टेलीविजन का आविष्कार स्कॉटिश इंजीनियर तथा अन्वेषक जॉन लॉगी बेयर्ड द्वारा किया गया था। वे दुनिया के प्रथम वैज्ञानिक थे, जिन्होंने 26 जनवरी 1926 को ब्रिटेन के लंदन शहर में स्थित रॉयल इंस्टीट्यूशन से लंदन के पश्चिम में स्थित 'सोहो' नामक स्थान पर टेलीविजन संदेशों का सफल प्रसारण करके दिखाया था। उनके द्वारा बनाए गए मैकेनिकल टेलीविजन के बाद 1927 में फिलो फॉर्न्सवर्थ द्वारा इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन का आविष्कार किया गया, जिसका 3 सितम्बर 1928 को उनके द्वारा सार्वजनिक प्रदर्शन किया गया।

कुछ असफलताओं के बाद सदी के महान् आविष्कार टेलीविजन को पूरी तरह इलैक्ट्रॉनिक रूप देने में सफलता मिली वर्ष 1934 में। बिजली से चलने वाले उस अद्भुत इलैक्ट्रॉनिक उपकरण की ही बदौलत आगामी वर्षों में कई आधुनिक टीवी स्टेशन खोले दिए? जिसके बाद लोग बड़ी संख्या में टीवी खरीदने लगे और टेलीविजन धीरे-धीरे मनोरंजन एवं समाचार का महत्वपूर्ण माध्यम बनता गया। इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन ने अपने आविष्कार के करीब 32 साल बाद भारत में पहला कदम रखा। भारत में टीवी का पहला प्रसारण प्रायोगिक तौर पर दिल्ली में दूरदर्शन केन्द्र की स्थापना के साथ 15 सितम्बर 1959 को शुरू किया गया। उस समय टीवी पर सप्ताह में केवल तीन दिन ही मात्र तीस-तीस मिनट के कार्यक्रम आते थे लेकिन इतने कम समय के बेहद सीमित कार्यक्रमों के बावजूद भी टीवी के प्रति लोगों का लगाव बढ़ता गया और यह बहुत जल्द लोगों की आदत का अहम हिस्सा बन गया। दूरदर्शन का व्यापक प्रसार हुआ वर्ष 1982 में दिल्ली में हुए एशियाई खेलों के आयोजन के प्रसारण के बाद। दूरदर्शन द्वारा अपना दूसरा चैनल 26 जनवरी 1993 को शुरू किया गया और उसी के बाद दूरदर्शन का पहला चैनल डीडी-1 और दूसरा नया चैनल डीडी-2 के नाम से लोकप्रिय हो गया, जिसे बाद में 'डीडी मैट्रो' नाम दिया गया। भले ही टीवी के आविष्कार के इन दशकों में इसका स्वरूप और तकनीक पूरी तरह बदल चुकी है लेकिन इसके कार्य करने का मूलभूत सिद्धांत अभी भी पहले जैसा ही है। 'ब्लैक एंड व्हाइट' बुद्धू बक्सा अपने सहज प्रस्तुतिकरण के दौर से गुजरते हुए कब आधुनिकता के साथ कदमताल करते हुए सूचना क्रांति का सबसे बड़ा हथियार और हर घर की अहम जरूरत बन गया, पता ही नहीं चला। यह दुनिया जहान की खबरें देने और राजनीतिक गतिविधियों की सूचनाएं उपलब्ध कराने के अलावा मनोरंजन, शिक्षा तथा समाज से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं को उपलब्ध कराने, प्रमुख आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समूचे विश्व के ज्ञान में वृद्धि करने में मदद करने वाला एक सशक्त जनसंचार माध्यम है। यह संस्कृतियों और रीति-रिवाजों के आदान-प्रदान के रूप में मनोरंजन का सबसे सस्ता साधन है, जो तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी दुनिया के ज्ञान में असीम वृद्धि करने में मददगार साबित हो रहा है। मानव जीवन में टीवी की बढ़ती भूमिका तथा इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाया



जाता है। संचार और वैश्वीकरण में टेलीविजन की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इसके महत्वों को रेखांकित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की जरूरत महसूस की गई और आम जिंदगी में टीवी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए आखिरकार टीवी के आविष्कार के करीब सात दशक बाद वर्ष 1996 में 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की घोषणा कर दी गई। दरअसल टीवी के आविष्कार को सूचना के क्षेत्र में एक ऐसी क्रांति का आविष्कार माना गया है, जिसके जरिये समस्त दुनिया हमारे करीब रह सकती है और हम अब घर बैठे ही दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली घटनाओं को लाइव देख सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहली बार 21 तथा 22 नवम्बर 1996 को विश्व टेलीविजन मंच का आयोजन करते हुए टीवी के महत्व पर चर्चा करने के लिए मीडिया को प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया गया था। उस दौरान विश्व को परिवर्तित करने में टीवी के योगदान और टीवी के विश्व पर पड़ने वाले प्रभावों के संदर्भ में व्यापक चर्चा की गई थी। उसी के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा में 17 दिसम्बर 1996 को एक प्रस्ताव पारित करते हुए प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को विश्व टेलीविजन दिवस मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को ही यह दिवस मनाया जाता रहा है। हालांकि किसी भी वस्तु के अच्छे और बुरे दो अलग-अलग पहलू भी हो सकते हैं। कुछ ऐसा ही सूचना एवं संचार क्रांति के अहम माध्यम टीवी के मामले में भी है। एक ओर जहां यह मनोरंजन और ज्ञान का सबसे बड़ा स्रोत बन चुका है और नवीनतम सूचनाएं प्रदान करते हुए समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालता है, वहीं इसके नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते रहे हैं। टेलीविजन की ही वजह से ज्ञान, विज्ञान, मनोरंजन, शिक्षा, चिकित्सा इत्यादि तमाम क्षेत्रों में बच्चों से लेकर बड़ों तक की सभी जिज्ञासाएं शांत होती हैं। अगर नकारात्मक पहलुओं की बात करें तो टीवी के बढ़ते प्रचलन के साथ-साथ इस पर प्रदर्शित होते अश्लील, हिंसात्मक, अंधविश्वासों का बीजारोपण करने तथा भय पैदा करने वाले कार्यक्रमों के कारण हमारी संस्कृति, आस्था और नैतिक मूल्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। टीवी पर विभिन्न कार्यक्रमों में लगातार हत्या और बलात्कार जैसे दृश्य दिखाने से बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित होता है। मौजूदा समय में टीवी मीडिया की सबसे प्रमुख ताकत के रूप में उभर रहा है और मीडिया का हमारे जीवन में इस कदर हस्तक्षेप बढ़ गया है कि टीवी के वास्तविक महत्व के बारे में अब लोगों को पर्याप्त जानकारी ही नहीं मिल पाती। देश में जहां दूरदर्शन की शुरूआत के बाद दशकों तक दूरदर्शन के ही चैनल प्रसारित होते रहे, वहीं 1990 के दशक में निजी चैनल शुरू होने की इजाजत मिलने के साथ एक नई सूचना क्रांति का आगाज हुआ। इन तीन दशकों में निजी चैनलों को लगातार मिलते लाइसेंस के चलते अब देशभर में टीवी पर करीब एक हजार चैनल प्रसारित होते हैं। इससे दूरदर्शन जैसे माध्यम कमजोर हो गए हैं और अब हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां सूचना व संचार माध्यमों ने हमें इस कदर अपना गुलाम बना लिया है कि इनके अभाव में जीवन की कल्पना ही नहीं कर सकते। हालांकि ढ़ेर सारे टीवी चैनलों की बदौलत जहां ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा, सूचना आदि के स्रोत बढ़े हैं, वहीं चिंताजनक स्थिति यह है कि टीआरपी की बढ़ती होड़ में बहुत से निजी टीवी चैनल जिस प्रकार गलाकाट प्रतिद्वंद्विता के चलते समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों की अनदेखी करते हुए दर्शकों के समक्ष कुछ भी परोसने को तैयार रहते हैं, उससे युवा पीढ़ी दिशाहीन हो रही है और जनमानस में गलत संदेशों का बीजारोपण होता है।

टेलीविजन का बदलता सफर

सुनील कुमार महला

आज इंटरनेट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का युग है। कभी बुद्धू बक्सा कहा जाने वाला टेलीविजन आज इंटरनेट और आधुनिक तकनीक की मदद से एक स्मार्ट और संवादात्मक मंच बन चुका है। टेलीविजन सूचना, शिक्षा और मनोरंजन का ऐसा सशक्त माध्यम रहा है, जिसने समाज को जोड़ने, लोगों को जागरूक करने और जनमत निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तकनीक के बदलते दौर में भी इसकी उपयोगिता और महत्त्व कम नहीं हुआ है।प्रत्येक वर्ष 21 नवंबर को विश्व टेलीविजन दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 17 दिसंबर 1996 को प्रस्ताव संख्या 51/205 के माध्यम से की थी। दरअसल, 21 और 22 नवंबर 1996 को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में प्रथम विश्व टेलीविजन मंच आयोजित किया गया था। इसी आयोजन की स्मृति में संयुक्त राष्ट्र ने 21 नवंबर को विश्व टेलीविजन दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। उस समय टेलीविजन परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर दुनिया को देखने और समझने का एक साझा माध्यम हुआ करता था।आज इंटरनेट, डिजिटल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में टेलीविजन का स्वरूप भले ही बदल गया हो, लेकिन यह न तो समाप्त हुआ है और न ही अप्रासंगिक हुआ है।

विश्व टेलीविजन दिवस मनाने के प्रमुख उद्देश्यः इस दिवस को मनाने के पीछे कई महत्वपूर्ण उद्देश्य हैं। इनमें जनसंचार को बढ़ावा देना प्रमुख है, ताकि सूचनाओं और विचारों का अधिक से अधिक आदान-प्रदान हो सके। इसके साथ ही शिक्षा का प्रसार करना तथा ज्ञान, विज्ञान, तकनीक और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देना भी इसका उद्देश्य है। यह दिवस विभिन्न देशों, संस्कृतियों और समाजों के बीच आपसी समझ, सहयोग और सद्भाव विकसित करने का संदेश देता है। इसके माध्यम से स्वास्थ्य, पर्यावरण, महिला सशक्तीकरण, बाल अधिकार और सामाजिक समस्याओं जैसे विषयों के प्रति लोगों को जागरूक करने पर भी जोर दिया जाता है।इसके अलावा स्वतंत्र, निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारिता को प्रोत्साहित करना, विश्वसनीय एवं तथ्यपरक सूचनाओं का प्रसारण सुनिश्चित करना तथा विभिन्न भाषाओं, परंपराओं, कलाओं और सांस्कृतिक विरासत को व्यापक मंच प्रदान करना भी इसके प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है।

टेलीविजन का बदलता स्वरूप और आज का दौरः डिजिटल क्रांति, इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस दौर में टेलीविजन केवल समाचार और मनोरंजन तक सीमित नहीं रह गया है। आज यह शिक्षा, ज्ञान, व्यापार, खेल, विज्ञान और वैश्विक संवाद का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। घर बैठे देश-दुनिया की घटनाओं को देखना, ऑनलाइन कक्षाओं से जुड़ना, खेल प्रतियोगिताओं का सीधा प्रसारण देखना और विभिन्न विषयों की जानकारी प्राप्त करना अब आसान हो गया है। टेलीविजन के तकनीकी सफर पर नजर डालें तो इसकी शुरुआत ब्लैक एंड व्हाइट यानी श्वेत-श्याम प्रसारण से हुई थी। इसके बाद रंगीन टेलीविजन का दौर आया। फिर एलसीडी, एलईडी और स्मार्ट टीवी ने इसकी दुनिया बदल दी। आज इंटरनेट आधारित स्मार्ट टीवी और ओटीटी प्लेटफॉर्म के माध्यम से दर्शक अपनी पसंद के कार्यक्रम किसी भी समय देख सकते हैं।

फीचर



एनसीएल इंडिया में 145 पदों पर करें आवेदन

युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है। एनसीएल इंडिया ने डिप्टी जनरल मैनेजर, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव मैनेजर सहित विभिन्न 145 पदों पर भर्ती के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी की है।

यह भर्ती अभियान उन योग्य और इच्छुक उम्मीदवारों के लिए है जो सरकारी क्षेत्र में प्रतिष्ठित पद प्राप्त करना चाहते हैं। इन पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया 20 नवंबर, 2026 से शुरू होगी और 19 दिसंबर, 2026 को समाप्त हो जाएगी। विभिन्न पदों पर आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के लिए शैक्षिक योग्यता और आयु सीमा निर्धारित की गई है। उम्मीदवारों की आयु की गणना 01 नवंबर, 2026 के आधार पर की जाएगी। अधिकतम आयु सीमा अलग-अलग पदों के लिए 30, 32, 36, 47 और 52 वर्ष निर्धारित की गई है। सरकारी नियमों के अनुसार, आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को अधिकतम आयु सीमा में विशेष छूट का प्रावधान किया गया है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों को 5 वर्ष की छूट मिलेगी, जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों को 3 वर्ष की छूट दी जाएगी। इसी तरह, दिव्यांग वर्ग के उम्मीदवारों को 10 वर्ष की विशेष छूट का लाभ मिलेगा। यह छूट सरकारी दिशानिर्देशों के अनुरूप है ताकि सभी वर्गों के उम्मीदवारों को समान अवसर प्राप्त हो सकें। उम्मीदवारों का चयन एक पारदर्शी और बहु-चरणीय प्रक्रिया के माध्यम से होगा।

चयन प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होगी-लिखित परीक्षा और साक्षात्कार (इंटरव्यू)। लिखित परीक्षा कुल 80 अंकों की होगी, जिसमें सफल होने के लिए उम्मीदवारों को न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को अगले चरण यानी साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। साक्षात्कार कुल 20 अंकों के लिए होगा, जिसके बाद लिखित परीक्षा और इंटरव्यू में प्राप्त अंकों के आधार पर अंतिम मेरिट सूची तैयार की जाएगी।

प्रेरणा

कुसंग का फल

प्रतिदिन कुछ बगुले आकर एक किसान के खेत की फसल बर्बाद कर जाया करते थे। इसे देखकर किसान ने उन बगुलों को पकड़ने के लिए खेत में जाल बिछा कर रख दिया। बाद में उसने जाकर देखा तो बहुत से बगुले उसके जाल में फंसे हुए थे और उनके साथ ही एक सारस भी फंसा हुआ था।



सारस ने किसान से कहा, ''भाई किसान, मैं बगुला नहीं हूं। मैंने तुम्हारी फसल बर्बाद नहीं की है। मुझे छोड़ दो। तुम विचार करके देखो कि मेरी कोई गलती नहीं है। जितने भी पक्षी हैं, मैं उन सबकी अपेक्षा अधिक धर्म परायण हूं। मैं कभी किसी को नुक्सान नहीं पहुंचाता। मैं अपने वृद्ध माता-पिता का अतीव सम्मान करता हूं और विभिन्न स्थानों में जाकर प्राण-प्रण से उनका पालन-पोषण करता हूं।

इस पर किसान बोला, ''सुनो सारस, तुमने जो बातें कहीं, वे सब ठीक हैं, उन पर मुझे जरा भी संदेह नहीं है। परन्तु चूंकि तुम फसल बर्बाद करने वालों के साथ पकड़े गए हो इसलिए तुम्हें भी उन्हीं के साथ सजा भोगनी होगी क्योंकि कुसंग का फल बुरा होता है''

अपनी बात



सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा औद्योगिक विकास के लिए बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए गांधीसागर के पास पंड्ड हाइड्रो पॉवर परियोजना शुरू की गई है, जिससे 2000 मेगावाट बिजली पैदा होगी। राज्य सरकार छोटे-बड़े सभी निवेशकों को समान महत्व देते हुए सस्ती भूमि, बिजली और पानी उपलब्ध करा रही है। रोजगारपरक उद्योग लगाने पर श्रमिकों के लिए 5,000 रुपए मासिक सहायता भी दी जा रही है।



मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने कहा कि हमारे लिए निवेशक केवल पूंजी लगाने वाले नहीं, बल्कि डेवलपमेंट पार्टनर हैं। हमने वर्ष 2047 तक विकसित मध्यप्रदेश बनाने का बड़ा लक्ष्य रखा है, जिसे केवल सामान्य निवेश के आधार पर प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसके लिए मजबूत विकास साझेदारों की जरूरत है। प्रदेश में निवेश करने वाले सभी उद्योगपति हमारी इस विकास यात्रा के प्रमुख सहभागी हैं।

तीन लाख रुपये ठगने का आरोपी भोपाल से गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शेयर बाजार में निवेश पर मोटा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से तीन लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में 31 वर्षीय व्यक्ति को मध्य प्रदेश के भोपाल से गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि आरोपी की पहचान मध्य प्रदेश के सागर निवासी सौरभ कुमार अहिरवार के रूप में हुई है।उनके मुताबिक, शाहदरा के जगतपुरी निवासी शिकायतकर्ता सुनील तिवारी को एक अज्ञात व्यक्ति ने व्हाट्सऐप पर फोन किया था और उन्हें शेयर बाजार में निवेश कर अच्छा मुनाफा कमाने का लालच दिया और आकर्षक रिटर्न का भरोसा दिलाकर उनसे तीन लाख रुपये अलग-अलग किस्तों में स्थानांतरित करा लिए।पुलिस ने बताया कि जांच में पता चला कि ठगी की रकम भोपाल के अवधपुरी स्थित केनरा बैंक के एक खाते में स्थानांतरित की गई थी और वहां से निकाली गई थी।अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने तकनीकी जांच और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर भोपाल के अवधपुरी में छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

सीएम ने 100 इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी

दिल्ली-हापुड़ अंतरराज्यीय सेवा की शुरुआत की

वेब वार्ता, नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को 100 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई और दिल्ली-हापुड़ अंतरराज्यीय इलेक्ट्रिक बस सेवा का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इन पहलों से सार्वजनिक परिवहन में सुधार होगा, यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी और शहर के पर्यावरण को भी लाभ मिलेगा।

बसों को हरी झंडी दिखाने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार पिछले 18 महीनों से सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में इलेक्ट्रिक बसों की संख्या लगातार बढ़ा रही है। ऐसे समय में जब प्रदूषण एक बड़ी चिंता बन गया है, सरकार निवासियों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रही है। उन्होंने कहा, ''ऐसे समय में जब हर जगह प्रदूषण पर चर्चा हो रही है, दिल्ली सरकार पिछले 18 महीनों से शहर की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में इलेक्ट्रिक बसों की संख्या लगातार बढ़ा रही है और लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी पूरी कर रही है। आज, हमने दिल्ली के परिवहन नेटवर्क में 100 और बसें शामिल की हैं।'' उन्होंने आगे कहा, ''ये बसें न केवल निवासियों के लिए सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाएंगी, बल्कि उनकी सुरक्षा भी बढ़ाएंगी और शहर के पर्यावरण को भी लाभ पहुंचाएंगी। हम लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, जिसके लिए हम सब्सिडी दे रहे हैं और पुराने वाहनों को स्क्रैप करने पर प्रोत्साहन (इंसेंटिव) दे रहे हैं। दिल्ली ने 15,000 करोड़ रुपए के बजट के साथ एक बड़ी ईवी नीति लागू की है, जो देश में अपनी तरह की सबसे बड़ी नीति है। हम यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि सरकारी तंत्र इस नीति को पूरी तरह से लागू करे। वर्तमान में दिल्ली में 7,088 बसें चल रही हैं, जो अब तक की सबसे अधिक संख्या है। इनमें से लगभग 5,400 बसें इलेक्ट्रिक हैं, जो देश के किसी भी राज्य में इलेक्ट्रिक बसों का सबसे बड़ा फ्लीट है।''





मुख्यमंत्री ने दावा किया कि दिल्ली में वायु प्रदूषण कम हो रहा है। उन्होंने आगे कहा, ''नवंबर के इस महीने में दिल्ली के मौसम और एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) में लगातार सुधार हो रहा है। यह पर्यावरण के प्रति अपनी साझा जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए जनता और सरकार के मिलकर काम करने का परिणाम है। सरकार नियमों को लागू करने को लेकर पूरी तरह दृढ़ है। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, '' हमारा लक्ष्य है कि 2028 के अंत तक दिल्ली में 14,000 बसें दे पाए। वो सभी की सभी इलेक्ट्रिक होंगी। अंतरराज्यीय बसों की बात करें तो आज हमने हापुड़ और दिल्ली के बीच एक ईवी बस सेवा शुरू की है। बहुत से लोग रोजाना दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र के विभिन्न शहरों के बीच यात्रा करते हैं, इसलिए हमारे प्रशासन ने ये सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए यह पहल की है। इसके अलावा, हम जल्द ही दिल्ली को बिहार से जोड़ने वाली बस सेवाएं भी शुरू करेंगे।'' इसके पहले दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा, ''हम अपनी इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाने की दिशा में एक और सफल कदम उठा रहे हैं, जिसमें 100 और बसें जल्द ही चालू हो जाएंगी। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी सरकार ने दिल्ली की जनता से वादा किया था कि हम इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देंगे। हम 'लास्ट-माइल कनेक्टिविटी' तक इलेक्ट्रिक बस सेवाओं का विस्तार करने के लिए भी काम कर रहे हैं।''सार्वजनिक परिवहन की स्थिति को लेकर पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए पंकज कुमार सिंह ने कहा, ''पिछली सरकार ने कनेक्टिविटी को रोक दिया था, चाहे वह इलेक्ट्रिक वाहनों के जरिए हो या महिलाओं के लिए बसों के जरिए। परिवहन व्यवस्था की हालत बहुत खराब थी। अब, कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए हम दिल्ली और हापुड़ और करनाल और पानीपत के बीच प्रदूषण मुक्त बस सेवाओं की व्यवस्था कर रहे हैं। हमें इसे लेकर अच्छा रिस्पॉन्स भी मिल रहा है।''

50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए तो 5 किलो राशन देना बंद क्यों नहीं किया

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने राहुल गांधी की भारतीय अर्थव्यवस्था पर की गई टिप्पणी का बचाव करते हुए कहा कि देश की आर्थिक स्थिति और अन्य मुद्दों पर सच बोलना भारत विरोधी या देश का अपमान करना नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दावे पर भी सवाल उठाए, जिसमें पिछले 12 वर्षों में 50 करोड़ लोगों के गरीबी रेखा से बाहर आने की बात कही गई है।उदित राज ने सवाल उठाया कि यदि इतनी बड़ी संख्या में लोग गरीबी से बाहर आ चुके हैं तो उन्हें पांच किलो राशन देने की व्यवस्था बंद क्यों नहीं की जाती। उन्होंने किसानों को दी जा रही सम्मान निधि का भी जिक्र किया। उनका कहना था कि सरकार को अपने दावे के अनुरूप कदम उठाने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार गैर-जिम्मेदाराना बयान देकर लोगों को उलझाती है। उदित राज ने कहा कि एक दावे पर सवाल उठने लगते हैं, तब तक दूसरा दावा सामने आ जाता है और फिर तीसरे बयान पर बहस शुरू हो जाती है। प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ जांच को लेकर वीरप्पा मोइली के बयान पर उदित राज ने कहा कि उस समय वह कांग्रेस पार्टी में नहीं थे और मोइली एक प्रभावशाली मंत्री थे। इसलिए इस मामले में उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने इसे मोइली का अपना अनुभव बताया।

दिल्ली में 100 नई इलेक्ट्रिक बसें शुरू

मंत्री पंकज बोले- 'लोगों को मिलेगी बेहतर पब्लिक ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी'

वेब वार्ता, नई दिल्ली



दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को 100 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई और दिल्ली-हापुड़ अंतरराज्यीय इलेक्ट्रिक बस सेवा का उद्घाटन किया। मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि 100 नई इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत और दिल्ली-हापुड़ इंटरस्टेट इलेक्ट्रिक बस सेवा, राष्ट्रीय राजधानी के पब्लिक ट्रांसपोर्ट नेटवर्क को बढ़ाने और क्लीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा, ''हम अपनी इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाने की दिशा में एक और सफल कदम उठा रहे हैं, जिसमें 100 और बसें शामिल हो रही हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी सरकार ने दिल्ली की जनता से वादा किया था कि हम सार्वजनिक परिवहन में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देंगे। हम इलेक्ट्रिक बस सेवाओं को 'लास्ट-माइल कनेक्टिविटी' तक पहुंचाने के लिए भी काम कर रहे हैं।''

इस दौरान, उन्होंने सार्वजनिक परिवहन की स्थिति को लेकर पिछली सरकार पर निशाना साधा। पंकज सिंह ने आरोप लगाया कि कनेक्टिविटी को नजरअंदाज किया गया, जिससे इलेक्ट्रिक बस सेवाओं और महिलाओं के लिए सुविधाओं, दोनों पर बुरा असर पड़ा।उन्होंने कहा, ''पिछली सरकार ने कनेक्टिविटी को रोक दिया था, चाहे वह इलेक्ट्रिक वाहनों के जरिए हो या महिलाओं के लिए बसों के जरिए। परिवहन की स्थिति बहुत खराब थी। अब, कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए हम दिल्ली और हापुड़, तथा करनाल और पानीपत के बीच क्लीन बस सेवाओं की व्यवस्था कर रहे हैं। हमें इसे लेकर अच्छा रिस्पॉन्स भी मिल रहा है।''मंत्री पंकज कुमार सिंह ने कहा कि सरकार दिल्ली की सड़कों पर चलने वाली बसों की संख्या बढ़ाना चाहती है, जिसमें प्रदूषण न फैलाने वाले वाहनों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''हम चाहते हैं कि सड़कों पर ज्यादा बसें चलें और बड़ी संख्या में ऐसी बसें हों, जो प्रदूषण न फैलाएं। इसीलिए हम दिल्ली में कनेक्टिविटी का विस्तार कर रहे हैं।''

वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में बर्तन बनाने वाली फैक्टरी में लगी आग

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में बृहस्पतिवार देर रात बर्तन बनाने वाली एक फैक्टरी में आग लग गई।

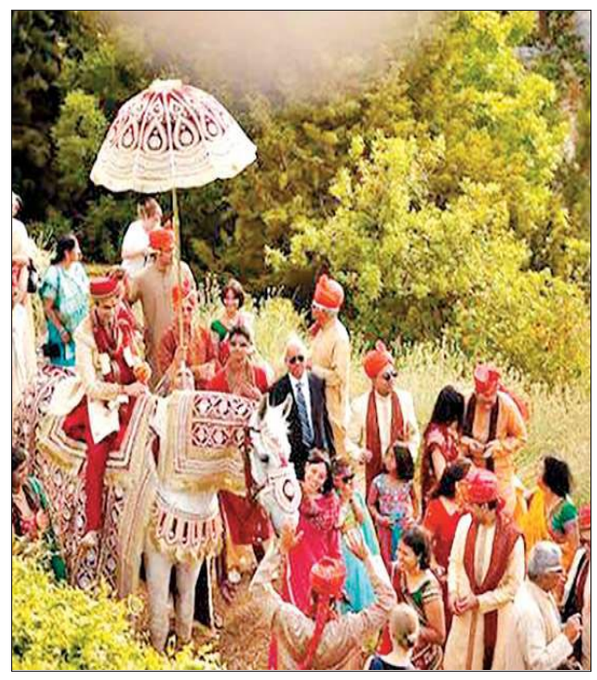
दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने शुक्रवार को बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।डीएफएस के मुताबिक, आग लगने की सूचना रात करीब 10 बजकर तीन मिनट पर मिली। आग वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित फैक्टरी की पहली, दूसरी और तीसरी मंजिल के साथ छत पर बने टिन शेड तक फैल गई थी।एक अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल की गाड़ियों की संख्या बढ़ाई गई। उनके मुताबिक, अभियान के दौरान कुल 17 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। डीएफएस ने बताया कि इमारत में बेसमेंट के अलावा भूतल और तीन मंजिलें है और टिन शेड से ढकी छत है। फैक्टरी करीब 550 वर्ग गज क्षेत्र में बनी है।

अधिकारी ने बताया कि आग पर देर रात करीब डेढ़ बजे काबू पा लिया गया और रात एक बजकर 50 मिनट पर दमकल अभियान समाप्त कर दिया गया।

शादी के सीजन में देशभर में 6 लाख करोड़ रुपए का कारोबार होने की उम्मीद

दिल्ली-एनसीआर में खर्च होंगे 1 लाख करोड़

वेब वार्ता, नई दिल्ली



दीपावली का त्योहारी सीजन सफल रहने के बाद देशभर के कारोबारी अब आगामी शादी के सीजन की तैयारियों में जुट गए हैं। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के अनुसार, इस दौरान देशभर में लगभग 52 लाख शादियां होने की उम्मीद है, जिससे करीब 6 लाख करोड़ रुपए का कारोबार हो सकता है।

शादी का सीजन 21 नवंबर को देवउठनी एकादशी और तुलसी विवाह के साथ शुरू होगा। व्यापारियों के संगठन ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में करीब 5 लाख शादियां होने की उम्मीद है, जिनसे लगभग 1 लाख करोड़ रुपए का कारोबार होगा।सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि आगामी सीजन के दौरान देशभर में लगभग 52 लाख शादियां होने की संभावना है, जिनसे अनुमानित 6 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होगा। अकेले दिल्ली-एनसीआर में करीब 5 लाख शादियों से अर्थव्यवस्था को लगभग 1 लाख करोड़ रुपये का योगदान मिलने की उम्मीद है।गोयल ने सीटीआई के महासचिव गुरमीत अरोड़ा के साथ कहा कि जीएसटी दरों में कटौती और उपभोक्ताओं को मिली राहत के बाद खरीदारी के तौर-तरीकों में काफी बदलाव आया है। लोगों की पसंद आयातित उत्पादों के बजाय भारतीय उत्पादों की ओर तेजी से बढ़ रही है।व्यापारियों के संगठन ने कहा कि उसके 'वोकल फॉर लोकल वेडिंग्स' अभियान से आयातित उत्पादों, खासकर चीन से आने वाले लाइटिंग उपकरणों, कृत्रिम सजावट के सामान और उपहार से जुड़ी वस्तुओं की मौजूदगी कम करने में मदद मिली है। इसके परिणामस्वरूप पारंपरिक कारीगरों, ज्वेलर्स और कपड़ा निर्माताओं को बड़े पैमाने पर ऑर्डर मिल रहे हैं।

शादी के इस सीजन से डेकोरेटर्स, कैटरर्स, फूल विक्रेताओं, कलाकारों, परिवहन संचालकों और हॉस्पिटैलिटी सेवाएं देने वाली कंपनियों के लिए भी कारोबार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। कपड़ा, आभूषण, हस्तशिल्प, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स से जुड़े कई सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को भी बढ़ती मांग का लाभ मिलने की संभावना है।सीटीआई के महासचिव रमेश आहूजा और उपाध्यक्ष राहुल अडलक्खा के अनुसार, शादी से जुड़े खर्च को मोटे तौर पर वस्तुओं और सेवाओं की दो श्रेणियों में बांटा गया है।वस्तुओं में कपड़े, साड़ियां, लहंगे और अन्य परिधान कुल खर्च का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा हैं, जबकि आभूषणों की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत है। इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली के उपकरण और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं पर 5 प्रतिशत खर्च होता है। वहीं, सूखे मेवे, मिठाइयों और स्नैक्स पर भी 5 प्रतिशत खर्च किया जाता है। किराना और सब्जियों की हिस्सेदारी 5 प्रतिशत, उपहार से जुड़ी वस्तुओं की 4 प्रतिशत और अन्य सामान की 6 प्रतिशत है।सेवाओं की बात करें तो बैंक्वेट हॉल, होटल और शादी के आयोजन स्थलों पर कुल खर्च का 5 प्रतिशत हिस्सा खर्च होता है। इवेंट मैनेजमेंट की हिस्सेदारी 3 प्रतिशत है, जबकि टेंट सजावट और कैटरिंग सेवाओं पर 10-10 प्रतिशत खर्च किया जाता है। फूलों की सजावट पर 4 प्रतिशत, परिवहन और कैब सेवाओं पर 3 प्रतिशत तथा फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पर 2 प्रतिशत खर्च होता है।ऑर्केस्ट्रा और संगीत की व्यवस्था पर 3 प्रतिशत, जबकि लाइटिंग और साउंड सेवाओं पर भी 3 प्रतिशत खर्च किया जाता है। अन्य सेवाओं की हिस्सेदारी शेष 7 प्रतिशत है।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पर फायरिंग की कोशिश को पुलिस ने किया नाकाम

राशिद केबलवाला गैंग से जुड़े 3 आरोपी पकड़े गए

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी जिला पुलिस ने हजरत निजामुद्दीन थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पर फायरिंग को अंजाम देने की कोशिश नाकाम कर दी है। पुलिस ने हथियारों के साथ तीन आरोपियों को पकड़ा है।मिली जानकारी के अनुसार, राशिद केबलवाला गैंग नेटवर्क से जुड़े सदस्य इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर पर फायरिंग करने पहुंचे थे। हालांकि वारदात को अंजाम देने से पहले पुलिस ने दो हथियारबंद संदिग्धों और एक नाबालिग को पकड़ लिया। हजरत निजामुद्दीन थाना पुलिस ने आरोपियों के पास से 5 सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और कारतूस बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।सूत्रों के मुताबिक, राशिद केबलवाला ने कथित तौर पर इन्फ्लुएंसर की हत्या का निर्देश दिया था। पकड़े गए आरोपियों ने हथियारों के साथ वीडियो भी अपने हैंडलर को भेजा था।

इसके पहले उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में गुरुवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि को यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट और दिल्ली क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने 50 हजार के इनामी बदमाश नसीम उर्फ रिजवान को ढेर कर दिया था। नसीम डी-कंपनी यानी दाऊद गिरोह का सदस्य बताया जा रहा था। वह गाजियाबाद के थाना लोनी में दर्ज हत्या के प्रयास के एक मामले में वांछित चल रहा था। इसके अलावा दिल्ली में दर्ज हत्या के दो मामलों में भी पुलिस को उसकी तलाश थी।पुलिस के अनुसार, नसीम के खिलाफ दोनों राज्यों में हत्या के चार मुकदमों सहित हत्या के प्रयास, रंगदारी (एक्सटॉर्शन) और अन्य गंभीर आपराधिक धाराओं में 26 से अधिक मुकदमे दर्ज थे। नसीम का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हत्या की साजिशों से भी जुड़ चुका था। बताया जाता है कि उसने छोटा शकील के कहने पर पाकिस्तानी-कैनेडियन मूल के तारिक फतह और तिहाड़ जेल में बंद अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन की हत्या की सुपारी ली थी। नसीम पर दिल्ली के खजूरी खास इलाके में पिछले छह महीनों के दौरान दो सनसनीखेज हत्याओं को अंजाम देने का भी आरोप था। इन घटनाओं के बाद दिल्ली पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। हत्या, सुपारी किलिंग, रंगदारी और अन्य संगीन अपराधों में उसकी कथित संलिप्तता के चलते वह पुलिस के लिए लंबे समय से चुनौती बना हुआ था।



दिल्ली पुलिस का बड़ा एक्शन, लाल किले के पास अवैध पार्किंग रैकेट का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्लीपुलिस ने लाल किले के पास चल रहे एक अवैध पार्किंग रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है और उसके पास से फर्जी एमसीडी पार्किंग पर्चियां व 1,300 रुपए नकद बरामद किए हैं।दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि पीपी लाल किला के पुलिसकर्मियों को एक गुप्त सूचना मिली कि लाल किले के पास, अपर सुभाष मार्ग पर मेट्रो गेट नंबर 2 के निकट, एक व्यक्ति दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के नाम वाली पार्किंग पर्चियां जारी कर रहा है और बिना किसी आधिकारिक अनुमति के लोगों से पार्किंग शुल्क वसूल रहा है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक टीम गठित की गई। गुरुवार सुबह लगभग 10.40 बजे, टीम मौके पर पहुंची और देखा कि एक व्यक्ति वाहन चालकों को अपनी गाड़ियां वहां पार्क करने के लिए बुला रहा है। पुलिस को देखकर उसने भागने की कोशिश की, लेकिन उसे पकड़ लिया गया। उसकी पहचान दिल्ली के शास्त्री पार्क निवासी 40 वर्षीय मो. नौशाद के रूप में हुई। जब उससे पार्किंग चलाने के लिए कोई वैध लाइसेंस, आवंटन पत्र या अनुमति दिखाने को कहा गया, तो वह कुछ भी पेश नहीं कर सका।टीम ने उसके पास से 1,300 रुपए नकद और 100 पार्किंग पर्चियों वाली एक बुकलेट बरामद की। इनमें से 18 पर्चियां इस्तेमाल हो चुकी थीं, जबकि 82 पर्चियां अभी इस्तेमाल नहीं हुई थीं। पूछताछ के दौरान पता चला कि मो. नौशाद को 17 दिसंबर 2024 से तीन साल के लिए पार्किंग चलाने का एमसीडी लाइसेंस दिया गया था। हालांकि, बकाया राशि का भुगतान न करने के कारण एमसीडी ने अगस्त 2026 में उसका लाइसेंस रद्द कर दिया था।अधिकारियों ने बताया कि जब उससे इस सुविधा को जारी रखने के अधिकार के बारे में पूछा गया, तो वह कोई वैध लाइसेंस या अनुमति नहीं दिखा सका। फिलहाल इस मामले में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 318(4) और 319(2) के तहत थाना कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई है। मामले की आगे की जांच चल रही है।

पुराने किले में दिखेंगी मौर्यकालीन मूर्तियां, राजपूतकालीन वैकुंठ विष्णु की प्रतिमा

वेब वार्ता, नई दिल्ली

दिल्ली के पुराने किले में शुक्रवार से शुरू हो रहे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सभ्यतागत संवाद मंच के दौरान आयोजित प्रदर्शनी में मौर्यकालीन टेराकोटा की मूर्तियां, पत्थर से बनी राजपूतकालीन वैकुंठ विष्णु की प्रतिमा और 'इंद्रप्रस्थ' का उल्लेख करने वाले अभिलेखयुक्त पुरावशेष प्रदर्शित किए जाएंगे।

'अस्तित्व- द एसेंस ऑफ आवर एक्जिस्टेंस' नामक इस प्रदर्शनी के माध्यम से भारत की प्राचीन सभ्यतागत पहचान को विदेशी प्रतिनिधियों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार शाम इस मंच का उद्घाटन करेंगे और प्रदर्शनी का अवलोकन भी करेंगे।प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रदर्शनी में 1,200 ईसा पूर्व से 1200 ईस्वी तक के पुरातात्विक साक्ष्यों के माध्यम से दिल्ली के इतिहास की झलक पेश की जाएगी। इसमें उत्खनन से प्राप्त अवशेष, पुरावशेष, स्थापत्य खंड और अन्य महत्वपूर्ण खोजें शामिल होंगी। दिल्ली के मध्य में स्थित यह प्राचीन स्थल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकार क्षेत्र में आता है। एक अधिकारी ने बताया कि इसे रविवार तक आम लोगों के लिए बंद रखा गया है।

एएसआई के निदेशक (संग्रहालय) वसंत स्वर्णकार ने बताया कि इस स्थल को मंच के आयोजन के लिए इसलिए चुना गया है क्योंकि यहां 3,200 साल से अधिक पुरानी 'सभ्यतागत परतें' मौजूद हैं, जो भारत की संस्कृति की गहरी जड़ों को दर्शाती हैं।उन्होंने कहा कि यहां हुई खुदाई से उन देशों के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों के साक्ष्य भी मिले हैं, जो आज एससीओ के सदस्य हैं।

स्वर्णकार के अनुसार, पुराना किला परिसर में 2013-14 और 2017-18 में खुदाई की गई थी। इसके बाद 2022-23 में उत्खनन हुआ और इस साल चौथे चरण की खुदाई का प्रयास किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि यहां दो अलग-अलग स्थलों पर हुई खुदाई में मौर्य-पूर्व काल, 12वीं शताब्दी ईसा पूर्व की चित्रित धूसर मृदभांड संस्कृति, महाजनपद काल,



मौर्य काल, शुंग काल, कुषाण काल, गुप्तोत्तर काल, राजपूत काल, सल्तनत काल और मुगल काल से जुड़े अवशेष मिले हैं।उन्होंने कहा, "इस तरह हमें यहां इन सभी सांस्कृतिक कालखंडों की परतें मिलती हैं। यह ऐसा स्थल है जहां पिछले करीब 3,000 वर्षों से लगातार आबादी रही है।"

प्रदर्शनी में चित्रित धूसर मृदभांड संस्कृति से जुड़े थाल, कटोरे और लोटे भी रखे जाएंगे। स्वर्णकार ने कहा कि ये वस्तुएं उस दौर की संस्कृति, खानपान और बर्तनों के इस्तेमाल की जानकारी देती हैं।इसके अलावा मौर्यकालीन टेराकोटा की मूर्तियां, सांचों से बनी आकृतियां, हस्तनिर्मित प्रतिमाएं, मनके, मनके बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण, अर्ध-कीमती पत्थरों के टुकड़े और सिक्के भी प्रदर्शित किए जाएंगे। उनके अनुसार, ये वस्तुएं उस दौर की समृद्धि को दर्शाती हैं।प्रदर्शनी में आभूषण के रूप में पहने जाने वाले सजावटी सामान भी रखे जाएंगे।

स्वर्णकार ने बताया कि इसमें राजपूत काल की पत्थर से बनी वैकुंठ विष्णु की प्रतिमा, हाथियों द्वारा जलाभिषेक करती गजलक्ष्मी को दर्शाने वाली टेराकोटा की थाली और गणेश की एक छोटी मूर्ति भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इन पुरावशेषों का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि ये सभी पुराना किला परिसर में हुई खुदाई के दौरान प्राप्त हुए हैं। दिल्ली पर्यटन विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, दिल्ली के प्राचीन नगरों में शामिल इंद्रप्रस्थ का पुराना किला लगभग आयताकार है और इसकी परिधि करीब दो किलोमीटर है।मुगल बादशाह हुमायूं ने अपनी नई राजधानी दीनपनाह की नींव रखने के साथ किले के विशाल प्रवेश द्वार और दीवारों का निर्माण कराया था। उनके उत्तराधिकारी शेरशाह सूरी ने इस निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया।स्वर्णकार ने बताया कि सरबन गांव में मिले एक पुरावशेष को भी प्रदर्शनी में रखा जाएगा, जिस पर 'इंद्रप्रस्थ' का उल्लेख करने वाला अभिलेख अंकित है।उन्होंने कहा, "हमें यज्ञ से जुड़े साक्ष्य भी मिले हैं। इनमें घोड़े की खोपड़ी, जला हुआ यज्ञ कुंड, बिखरी हुई हड्डियां और टेराकोटा की मूर्तियां शामिल हैं। प्रदर्शनी में घोड़े की खोपड़ी भी रखी जाएगी।"स्वर्णकार ने बताया कि शुक्रवार शाम प्रधानमंत्री के दौरे के बाद प्रदर्शनी आम लोगों के लिए खोल दी जाएगी।इस मंच में चीन, पाकिस्तान, कजाखस्तान, ईरान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान समेत कई देशों ने अपनी भागीदारी की पुष्टि की है।केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पिछले सप्ताह संवाददाताओं से कहा था कि भारत का लक्ष्य एससीओ को केवल भू-राजनीतिक और आर्थिक मंच तक सीमित न रखकर साझा सभ्यतागत विरासत और मानवीय मूल्यों के संवाद का मंच बनाना है।पीएमओ के अनुसार, प्रदर्शनी के अलावा 'महाभारत स्क्रॉल पवेलियन- अनंत : 18वीं सदी की दुर्लभ महाभारत पांडुलिपि' भी आकर्षण का केंद्र होगा। इसमें भारत की समृद्ध महाकाव्य और कलात्मक परंपराओं को दर्शाती चित्रित महाभारत पांडुलिपि प्रदर्शित की जाएगी।

नकली कोल्ड ड्रिंक बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड

- माउंटेन ड्यू, कोका-कोला, स्प्राइट और लिम्का के नाम से हो रही थी सप्लाई, छापे की भनक लगते ही मालिक फरार

वेब वार्ता। पानीपत

पानीपत में नामी कंपनियों के ब्रांड के नाम पर नकली शीतल पेय तैयार करने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। सीएम फ्लाइंग, पुलिस और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने सनौली रोड पर कुराड़ गांव के पास स्थित एमएस इंटरप्राइजेज में छापा मारकर 9,391 भरी हुई बोतलें और लेबल के 41 रोल बरामद किए। फैक्ट्री में कई मशीनें चलाकर अलग-अलग ब्रांड के नाम से पेय तैयार किए जा रहे थे। छापे की सूचना मिलते ही फैक्ट्री मालिक महेंद्र मलिक फरार हो गया और उसका मोबाइल फोन भी बंद मिला।

सीएम फ्लाइंग को सूचना मिली थी कि होटल जयफुड के पास स्थित फैक्ट्री में माउंटेन ड्यू के नाम से नकली पेय बनाया जा रहा है। इसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग और सनौली थाना पुलिस को साथ लेकर संयुक्त टीम ने दबिश दी। मौके पर सुपरवाइजर राहुल बालियान मिला। उसने बताया कि फैक्ट्री में माउंटेन ड्यू, कोका-कोला, स्प्राइट, लिम्का, फैंटा और थम्स अप सहित कई ब्रांड के पेय तैयार किए जाते हैं।पेप्सी और कोका-कोला के



अधिकृत प्रतिनिधियों ने मौके पर पहुंचकर बोतलों और लेबल की जांच की। शिकायत के अनुसार, उन्होंने इन्हें नकली बताया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने पेय के नौ नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं। फैक्ट्री प्रबंधन मौके पर लाइसेंस और अन्य आवश्यक दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं कर सका। बरामदगी में माउंटेन ड्यू की 400 मिलीलीटर की 1,030 बोतलें और लेबल के 18 रोल शामिल हैं। कोका-कोला की एक लीटर की 1,335 और 5,501 बोतलें, दो लीटर की 612 और 44 बोतलें तथा बिना लेबल वाली दो लीटर की 308 बोतलें मिलीं। इसके अलावा एमडी कोल्ड ड्रिंक्स की सवा लीटर की 510 बोतलें, स्प्राइट की दो लीटर की 24 बोतलें और लिम्का की दो लीटर की 27 बोतलें बरामद हुईं। इनके लेबल के रोल भी जब्त किए गए।

पुलिस ने फैक्ट्री मालिक महेंद्र मलिक और सुपरवाइजर राहुल बालियान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं और कॉपीराइट अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि पेय में कौन-से पदार्थ मिलाए जा रहे थे और उनकी गुणवत्ता व स्वास्थ्य पर संभावित असर क्या हो सकता है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि नकली पेय हरियाणा के किन-किन जिलों में भेजे गए।

पानीपत में नकली शीतल पेय बनाने का यह पहला मामला नहीं है। जून 2020 में पुलिस ने पसीना कलां रोड पर नकली माउंटेन ड्यू बनाने वाली फैक्ट्री पकड़ी थी। उस समय 3,780 पेटी नकली पेय और 1,840 डुप्लीकेट बोतलें बरामद हुई थीं। मौके से रसायन, चीनी की 200 बोरियां, फिल्टर, कूलिंग टावर, लेबल और पैकिंग मशीनें भी मिली थीं। मामले में आठ कारोबारियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। जांच के दौरान कुरुक्षेत्र के दो गोदामों से भी करीब 289 पेटी नकली माउंटेन ड्यू बरामद हुई थीं। अब ताजा मामले में पुराने नेटवर्क से संभावित संबंधों की जांच भी अहम होगी।

एआई मानवीय विवेक, मूल्यों और सही सवाल पूछने के साहस का विकल्प नहीं : डॉ. प्रशांत

वेब वार्ता। फरीदाबाद



कृत्रिम बुद्धिमत्ता कुछ ही सेकंड में सवालों के जवाब दे सकती है, लेकिन वह मानवीय विवेक, मूल्यों और सही प्रश्न पूछने के साहस की जगह नहीं ले सकती। यह बात मानव रचना शैक्षणिक संस्थान के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत भल्ला ने छठे प्रीतम सिंह स्मृति (प्रिज्म) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन-2026 को संबोधित करते हुए कही। मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज में आयोजित इस तीन दिवसीय सम्मेलन में शिक्षा, उद्योग, तकनीक, अनुसंधान, नीति निर्माण और कूटनीति से जुड़े 800 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

प्रिज्म फाउंडेशन और संस्थान के स्कूल ऑफ लीडरशिप एंड मैनेजमेंट की ओर से आयोजित सम्मेलन का विषय समावेशी नेतृत्व और सतत भविष्य : कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भू-राजनीतिक अस्थिरता के दौर में रखा गया था। इसका आयोजन प्रख्यात प्रबंधन विचारक और मानव रचना के रणनीतिक मार्गदर्शन मंडल के संस्थापक अध्यक्ष पद्मश्री स्वर्गीय डॉ. प्रीतम सिंह की 85वीं जयंती के उपलक्ष्य में किया गया। सम्मेलन में 23 देशों के 64 शहरों के 78 संस्थानों से प्राप्त 619 शोध पत्रों पर 20 अनुसंधान क्षेत्रों में चर्चा हुई।

एआई और आधुनिक तकनीक से बदलेगा स्वास्थ्य सेवाओं का स्वरूप

वेब वार्ता। फरीदाबाद

भारत में तेजी से बदलते स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), आधुनिक चिकित्सा तकनीक और मरीजों की जरूरतों पर आधारित उपचार की भूमिका महत्वपूर्ण होती जा रही है। इसी बदलाव और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा के लिए एल्केमी ग्रोथ कैपिटल ने 19 नवंबर को नई दिल्ली के एरोसिटी स्थित रोजेट हाउस में हेल्थकेयर बिल्डर्स एंड कैपिटल फोरम 2026 का आयोजन किया। इसमें अस्पतालों, दवा कंपनियों, चिकित्सा उपकरण उद्योग और निवेश क्षेत्र के प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

एल्केमी ग्रोथ कैपिटल की संस्थापक साझेदार अलका गोयल ने कहा कि



स्वास्थ्य क्षेत्र में नई तकनीक और मरीजों की बदलती जरूरतें नए अवसर पैदा कर रही हैं। इसके लिए संस्थापकों, निवेशकों और उद्योग जगत के प्रमुखों के बीच सहयोग जरूरी है। अलथेरा फार्मा के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजीव अग्रवाल ने कहा कि तकनीक से इलाज के तरीके बदल रहे हैं, लेकिन किसी भी नए प्रयोग की वास्तविक सफलता मरीजों के स्वास्थ्य में सुधार से ही तय होनी चाहिए। चर्चा में सीके बिरला हेल्थकेयर के अक्षत सेठ, फोर्टिस हेल्थकेयर के डॉ. आशुतोष रघुवंशी और मोरेपेन लैब्स के वरुण सूरी सहित अन्य विशेषज्ञों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं, निवेश और मरीजों के लिए व्यक्तिगत उपचार की बढ़ती जरूरत पर विचार रखे।

बकाया संपत्ति कर पर निगम सख्त, दो दिन में 18 संपत्तियां सील

पायनियर, फरीदाबाद। नगर निगम फरीदाबाद ने बकाया संपत्ति कर की वसूली के लिए सख्ती बढ़ा दी है। निगम आयुक्त यशेंद्र सिंह के निर्देश पर एनआईटी जोन-2 में पिछले दो दिनों के दौरान 18 संपत्तियों को सील किया गया। इन संपत्तियों पर कुल 1 करोड़ 32 लाख 64 हजार रुपये से अधिक का संपत्ति कर बकाया था। निगम के संयुक्त आयुक्त रणवीर सिंह के मार्गदर्शन में क्षेत्रीय एवं कर अधिकारी सुमन रतरा की टीम ने यह कार्रवाई की। निगम के अनुसार, संबंधित संपत्ति धारकों को कई बार नोटिस दिए गए थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने बकाया कर जमा नहीं कराया। संयुक्त आयुक्त रणवीर सिंह ने शहर के सभी संपत्ति धारकों से अपील की कि वे समय पर अपना संपत्ति कर जमा कराएं।

समाज में नफरत फैलाने वालों पर कार्रवाई की जाए: विक्रम सिंह यादव

वेब वार्ता। गुरुग्राम

भारत बचाओ संगठन के संयोजक विक्रम सिंह यादव ने बागेश्वर बाबा व संगीतरागी को लेकर मांग की है कि समाज में नफरत फैलाने वालों पर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि एक तरफ देश में बहुत से बुद्धिजीवी, धार्मिक व सामाजिक लोग समाज को जोडऩे और आपस में भाईचारा बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कुछ लोग समाज को तोडऩे का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के कारण समाज में तनाव और भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है, जो देश के लिए खतरनाक है।

यहां शमा पर्यटक केंद्र में शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में उन्होंने बागेश्वर



बाबा पर आरोप लगाते हुए कहा कि वे अपने आप को चमत्कारी बताकर लोगों में खोखले धर्म का प्रचार करते हैं और हिंदू राष्ट्र की बात करते हैं। जिससे भोले-भाले लोग उनके झांसे में आ जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में तथाकथित बाबा ने राम और कृष्ण के बीच भेद कर दिया, जिससे सभी कृष्ण भक्तों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को यह समझाया गया कि तुम्हारे कृष्ण हैं और हमारे राम हैं, और कृष्ण के बारे में आपत्तिजनक बातें कही गईं। विक्रम सिंह यादव ने कहा कि एक तरफ हिंदू राष्ट्र की बात करना और दूसरी तरफ समाज को बांटने की बात करना, यह समाज और भगवान दोनों में भेदभाव करना है।

ब्लिंकिट से पंखा मंगाया, पैकेट खोला तो निकला पत्थर

फरीदाबाद। ऑनलाइन खरीदारी में धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए पलवली गांव निवासी मनोज शर्मा ने ब्लिंकिट के खिलाफ पुलिस से शिकायत करने की बात कही है। मनोज का दावा है कि उन्होंने 11 नवंबर को 1,262 रुपये में सीलिंग फैन मंगाया था, लेकिन डिलीवरी के बाद पैकेट खोला तो उसमें पंखे की जगह पत्थर निकला।

मनोज के अनुसार, डिलीवरी कर्मी सामान उनके घर पहुंचाकर उस समय घर में मौजूद बच्चे को पैकेट दे गया था। कुछ देर बाद जब उन्होंने पैकेट खोला तो उसमें पत्थर देखकर हैरान रह गए। इसके बाद वह शिकायत लेकर ब्लिंकिट के स्टोर पहुंचे। मनोज का आरोप है कि स्टोर कर्मचारियों ने गलती डिलीवरी कर्मी की बताकर उन्हें कार्रवाई का आश्वासन दिया।

माइनिंग का भविष्य सिर्फ खनिजों से नहीं, बल्कि मिलकर काम करने से बनेगा

नई दिल्ली। आने वाले समय में दुनिया की आर्थिक तरक्की में जमीन के नीचे मौजूद खनिजों की बड़ी भूमिका हो सकती है। लेकिन इनका सही इस्तेमाल तभी हो पाएगा, जब सरकार और उद्योग मिलकर काम करेंगे। सरकार की अच्छी नीतियां, समय पर फैसले और उद्योगों का लंबे समय तक निवेश इन खनिजों के सही इस्तेमाल में अहम भूमिका निभाएंगे। इससे जमीन के नीचे मौजूद खनिजों से नए उद्योग शुरू करने और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। जाम्बिया इसका एक अच्छा उदाहरण है। वेदांता के कोंकोला कॉपर माइंस में दोबारा काम शुरू करने के बाद जाम्बिया सरकार ने कंपनी को आगे बढ़ाने और उसका विस्तार करने में पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया है। जाम्बिया के राष्ट्रपति हाकाइंडे हिचिलेमा और उद्योग मंत्री नोएल निखोमा ने वेदांता के निवेश की सराहना की है और कंपनी को आगे बढ़ाने व विस्तार करने में पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया है।

ब्रिजिंग द लाइफ-एक्सपेक्टेंसी गैप ऑफ सैनिटेशन वर्कर्स इन इंडिया शीर्षक से रिपोर्ट जारी

वेब वार्ता। नई दिल्ली

हर दिन ज्यादा से ज्यादा लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य पहुंचाने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत, रेकिट और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंसेज आईआईपीएस ने आज विश्व शौचालय दिवस के मौके पर ब्रिजिंग द लाइफ-एक्सपेक्टेंसी गैप ऑफ सैनिटेशन वर्कर्स इन इंडिया शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की। जानकारियों को आगे बढ़ाते हुए, हार्पिक वर्ल्ड टॉयलेट कॉलेज ने एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया के साथ साझेदारी की है। इसके तहत सेफर (सैनिटेशन वर्कर असिस्टेंस फॉर फैटलिटी एलिमिनेशन एंड रिस्क रिडक्शन) चैलेंज के माध्यम से कम लागत वाले जहरीली गैस सेंसर पर काम किया जा रहा है। रेकिट, साउथ एशिया के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, गौरव जैन ने कहा,



रेकिट में हमारा उद्देश्य हर दिन ज्यादा से ज्यादा लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य पहुंचाना है। जनस्वास्थ्य की रक्षा करने में सफाई कर्मचारी अहम भूमिका निभाते हैं, फिर भी उनमें से कई आज भी ऐसे खतरों का सामना करते हैं जो उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा और आजीविका को प्रभावित करते हैं। चूंकि हमारा फोकस सिर्फ लंबी उम्र नहीं बल्कि एक स्वस्थ जीवन देने पर है, यह रिपोर्ट इस चुनौती के दायरे और सार्थक बदलाव लाने के अवसर, दोनों को सामने रखती है।

सफाई कर्मचारियों का प्रदर्शन

फरीदाबाद। नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने दिन मेंतीन बार हाजिरी लगाने के आदेश के विरोध में शुक्रवार को भोजन अवकाश के दौरान निगम मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने आदेश वापस लेने की मांग की। इस दौरान 12 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली राष्ट्रीय कर्मचारी आक्रोश रैली में भाग लेने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। प्रदर्शन की अध्यक्षता सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान बलबीर सिंह बालगोहर ने की, जबकि मंच संचालन सचिव महेंद्र कुरिया ने किया। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा एवं नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने कहा कि रैली में पुरानी पेंशन बहाली की मांग की।

डीटीएफ के सीज़न 7 के साथ दिल्ली-एनसीआर में सजेगा भारत का सबसे बड़ा थिएटर उत्सव

वेब वार्ता। नई दिल्ली

राजधानी में मंच और कहानी कहने की कला का प्रमुख उत्सव दिल्ली थिएटर फेस्टिवल डीटीएफ इस दिसंबर अपने बहुप्रतीक्षित सातवें सीज़न के साथ वापसी कर रहा है। तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में जाने-माने थिएटर कलाकार, चर्चित नाटक, नई प्रतिभाएं और दिल्ली में पहली बार प्रस्तुत किए जाने वाले नाटक दर्शकों के लिए लाइव थिएटर का शानदार अनुभव लेकर आएंगे।

डीटीएफ का सातवां सीज़न

एसीटी वीएलएल थीम के तहत 11 से 13 दिसंबर, 2026 तक



दिल्ली-एनसीआर के चार प्रमुख स्थलों-ओपी जिंदल ऑडिटोरियम, ऐवान-ए-ग़ालिब, यशोभूमि और कॉसमॉस कन्वेंशन, गुरुग्राम में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान 13 से अधिक शो आयोजित किए जाएंगे और 16,000 से अधिक थिएटर प्रेमियों के पहुंचने की उम्मीद है। ऐसे में सीज़न 7 फेस्टिवल के अब तक के सबसे व्यापक संस्करणों में से एक होगा। सीज़न 7 पर अपने विचार साझा करते हुए, अल्केमिस्ट ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष पोरवाल ने कहा दिल्ली थिएटर फेस्टिवल ने एक प्रमुख सांस्कृतिक मंच के रूप में अपनी पहचान बनाई है, जो थिएटर के प्रति शहर के गहरे लगाव को दर्शाता है। सीज़न 7 इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली-एनसीआर के चार स्थलों पर जाने-माने कलाकारों और प्रभावशाली प्रस्तुतियों की एक रोमांचक श्रृंखला लेकर आ रहा है। अल्केमिस्ट लाइव में हम ऐसे सांस्कृतिक अनुभव तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो लोगों के मन पर गहरी छाप छोड़ें। डीटीएफ इसी दृष्टिकोण का एक अहम हिस्सा है।

उद्यमी आकाश सेठी टाइम 100 नेक्स्टः इंडिया की सूची में शामिल

वेब वार्ता। नई दिल्ली

क्वेस्ट एलायंस के सीईओ आकाश सेठी को टाइम 100 नेक्स्टः इंडिया में शामिल किया गया है। यह एक गैर-लाभकारी संस्था है जो भारत के युवाओं को भविष्य के लिए जरूरी कौशल सिखाकर उनके करियर को बेहतर बनाने का काम करती है। टाइम 100 नेक्स्ट की यह सूची उन 100 लोगों को सामने लाती है जो भारत के भविष्य को आकार दे रहे हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज की साझेदारी में तैयार की गई यह सूची, भारत में पहली बार पेश की गई है। टाइम100 नेक्स्ट-जो उभरते हुए नेताओं को पहचान दिलाने के लिए टाइम की एक पहल है - अब भारत में भी शुरू हो गई है। सेठी ने 2008 में



क्वेस्ट एलायंस की स्थापना की और तब से वे इसका नेतृत्व कर रहे हैं। यह संस्था भारत के सरकारी स्कूलों और तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों में काम करती है। आकाश सेठी ने कहा मैं इस सम्मान को किसी व्यक्तिगत उपलब्धि के बजाय, हमारे सामूहिक प्रयासों की स्वीकृति के रूप में देखता हूँ।

नहर में कूदने का वीडियो बनाकर गायब हुआ युवक जिंदा मिला

फरीदाबाद। पत्नी परप्रताड़ित करने का आरोप लगाकर आगरा नहर में कूदने की बात कहने वाला 24 वर्षीय अरमान खान शुक्रवार सुबह जिंदा मिल गया। खेड़ी पुल थाना पुलिस ने उसे हाईवे पर वाहन जांच के दौरान एक ऑटो में बैठे हुए पकड़ा। नाके पर तैनात पुलिसकर्मी ने उसे पहचान लिया। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि उसने पत्नी और ससुराल पक्ष को डराने के लिए नहर में कूदने का वीडियो बनाया था। इसके बाद वह अपनी बाइक और मोबाइल फोन नहर किनारे छोड़कर चला गया था। इस बीच एसडीआरएफ की टीम दो दिन तक नहर में उसकी तलाश करती रही। पुलिस के अनुसार, गांव मवई निवासी अरमान खान जोमैटो में सामान पहुंचाने का काम करता है।

गिरनार फाउंडेशन ने एनुअल बॉक्स ऑफ जॉय अभियान के माध्यम से त्योहारों की खुशियां बांटी

वेब वार्ता। गुरुग्राम

कारदेखो ग्रुप की सीएसआर इकाई गिरनार फाउंडेशन ने अपनी एनुअल पहल बॉक्स ऑफ जॉय के तहत गुरुग्राम और जयपुर में बच्चों एवं जरूरतमंद समुदायों के बीच दिवाली की खुशियाँ बाँटीं और उनके त्योहार को और भी खास बनाया। इस वर्ष फाउंडेशन द्वारा 600 फेस्टिव बॉक्स वितरित किए गए, जिनके माध्यम से बच्चों और परिवारों तक दिवाली की खुशियाँ पहुँचाई गईं। इस पहल ने समावेशी सामुदायिक विकास के प्रति फाउंडेशन की प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ किया।

इस पहल के तहत फाउंडेशन ने ड्रीम गर्ल फाउंडेशन, पाठशाला एनजीओ



और प्रगति विद्यालय के बच्चों के साथ-साथ उत्कर्ष फाउंडेशन में विशेष रूप से सक्षम बच्चों के बीच 'बॉक्स ऑफ जॉय' फेस्टिव बॉक्स वितरित किए। गिरनार फाउंडेशन की प्रमुख, पीहू जैन ने कहा दिवाली रोशनी, खुशियों और आपसी मेल-जोल का त्योहार है। गिरनार फाउंडेशन में हमारा मानना है कि उत्सव की सच्ची भावना दूसरों के साथ खुशियों के इन पलों को साझा करने में ही निहित है। हमारी एनुअल बॉक्स ऑफ जॉय पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वंचित समुदायों के बच्चे और परिवार भी पूरे उत्साह, खुशियों और गरिमा के साथ दिवाली का त्योहार मना सकें।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का बीटीए ने किया स्वागत

वेब वार्ता। बेंगलुरु

बाइक टैक्सी मामले में कर्नाटक सरकार की ओर से दायर विशेष अनुमति याचिका एसएलपी को माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज किए जाने का बाइक टैक्सी एसोसिएशन ऑफ कर्नाटक बीटीए ने स्वागत किया है। एसोसिएशन इसे इस सेक्टर के भविष्य को स्पष्ट करने और उन हजारों कैप्टन्स की आजीविका सुरक्षित करने के एक अहम अवसर के रूप में देखता है, जो अपनी रोजी-रोटी कमाने और परिवार का भरण-पोषण करने के लिए बाइक टैक्सी पर निर्भर हैं। कई कैप्टन्स के लिए बाइक टैक्सी केवल कमाई का जरिया भर नहीं है। यह उनके लिए सम्मानजनक काम, आर्थिक आत्मनिर्भरता और अपनी सुविधा के अनुसार आजीविका कमाने का अवसर है। यह सेवा यात्रियों को, खासकर कम दूरी के सफर के लिए, एक किफायती और सुविधाजनक यात्रा विकल्प भी देती है। इस घटनाक्रम पर बात करते हुए बाइक टैक्सी एसोसिएशन ऑफ कर्नाटक बीटीए के प्रेसिडेंट श्री आदि नारायण ने कहा हम माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं और उम्मीद करते हैं कि इससे कर्नाटक में बाइक टैक्सी के भविष्य को लेकर और अधिक स्पष्टता आएगी। हजारों कैप्टन्स के लिए यह उनकी आजीविका, अपने परिवार का भरण-पोषण करने की क्षमता का सवाल है।

युवा महोत्सव ने विद्यार्थियों को प्रतिभा निखारने का दिया मंच : सतीश फागना

वेब वार्ता। फरीदाबाद

डीएवी शताब्दी कॉलेज फरीदाबाद में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा महोत्सव का शुक्रवार को समापन हुआ। एनआईटी विधायक सतीश कुमार फागना ने मुख्य अतिथि के रूप में विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि युवा महोत्सव विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा, कला और कौशल प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं। इनसे आत्मविश्वास, रचनात्मकता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है।

अंतिम दिन नुक्कड़ नाटक और कविता लेखन प्रतियोगिताएं हुईं। लोक



नृत्य में मोनिका प्रथम, पूजा द्वितीय और रुचिका तृतीय रहीं। लोक गायन में चंचल प्रथम, कुमुद द्वितीय और मोनिका तृतीय स्थान पर रहीं। पेंटिंग में सलोनी प्रथम, राधिका द्वितीय और श्री कल्पना तृतीय रहीं।

वाद्य यंत्र वादन में दीपक ग्रुप प्रथम, अमानत कुमार ग्रुप द्वितीय और साधना तृतीय रहे। नुक्कड़ नाटक में शिवानी प्रथम, जतिन द्वितीय और समीर तृतीय रहे। कविता लेखन में पवन प्रथम, अंजली कुमारी द्वितीय और आरती पांडेय तृतीय स्थान पर रहीं। विधायक ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए अन्य प्रतिभागियों को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

एक्सिस बैंक ने महिला उद्यमिता दिवस मनाया

- दिल्ली-एनसीआर में 'इवॉल्व' का विशेष संस्करण आयोजित

वेब वार्ता। दिल्ली

भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंकों में से एक एक्सिस बैंक ने महिला उद्यमिता दिवस के अवसर पर अपने प्रमुख एमएसएमई सहभागिता मंच 'इवॉल्व' का विशेष संस्करण आयोजित किया। इसमें दिल्ली-एनसीआर की 110 से अधिक महिला-नेतृत्व वाली कंपनियों ने हिस्सा लिया। चर्चा में महिला-नेतृत्व वाले कारोबारों की जरूरतों और उन्हें अधिक आत्मविश्वास के साथ विस्तार करने में पूंजी तक पहुंच तथा उपयुक्त बैंकिंग समाधानों की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया।

एक्सिस बैंक के एसएमई ग्राहकों में लगभग 28 प्रतिशत के कम से कम एक प्रवर्तक महिला हैं। यह एसएमई क्षेत्र में महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी को दर्शाता है। वहीं, एसएमई ग्राहकों में करीब 15 प्रतिशत ऐसे कारोबार हैं, जिनका पूर्ण स्वामित्व महिलाओं के पास है। बैंक के कुल एसएमई प्रवर्तक आधार में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 22 प्रतिशत है, जो कारोबार के स्वामित्व और उद्यमिता में उनकी बढ़ती मौजूदगी को रेखांकित करती है।

नागरिक अस्पताल सेक्टर-10 में शुरू हुई अमृत फार्मेसी

वेब वार्ता। गुरुग्राम

सेक्टर-10 स्थित जिला नागरिक अस्पताल में अमृत फार्मेसी का शुक्रवार को उद्घाटन किया गया। लघु सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ही यह उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर विधायक मुकेश शर्मा, मेयर राज रानी मल्होत्रा, हरियाणा डेयरी विकास सहकारी प्रसंघ के चेयरमैन रामअवतार गर्गमौजूद रहे।

कार्यक्रम में यमुनानगर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय समारोह का सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी तथा केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के संबोधन को लाइव देखा और सुना गया। मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान हरियाणा के 16 जिला नागरिक अस्पतालों में स्थापित अमृत फार्मेसी का



उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधायक मुकेश शर्मा ने कहा कि अमृत फार्मेसी की शुरुआत आमजन को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध करवाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सरकारी अस्पतालों में उपचार करवाने आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को अक्सर बाहर से दवाइयां खरीदनी पड़ती हैं, जिससे उनके उपचार पर आर्थिक बोझ बढ़ता है। अमृत फार्मेसी के माध्यम से मरीजों को उचित दरों पर दवाइयां उपलब्ध होंगी और उन्हें राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, किफायती और जनहितकारी बनाना सरकार की प्राथमिकता है। नागरिक अस्पतालों में इस प्रकार की सुविधाओं का विस्तार होने से आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि फार्मेसी का लाभ अधिक से अधिक मरीजों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें।

ब्रीफ न्यूज

पांच अंतरिक्ष चट्टानें धरती के पास से गुजरेंगी, 32,000 किमी प्रति घंटे की होगी रफ्तार

नई दिल्ली। अंतरिक्ष में धरती के पड़ोस में अगले 48 घंटे काफी हलचल भरे रहने वाले हैं, क्योंकि एक साथ पांच अंतरिक्ष चट्टानें धरती के करीब से गुजरने वाली हैं। इस खगोलीय घटना को लेकर दुनिया भर में चर्चा है, खासकर जब इनमें से एक चट्टान करीब 32,000 किलोमीटर प्रति घंटे से भी ज्यादा की रफ्तार से आगे बढ़ रही है। नासा का प्लेनेटरी डिफेंस नेटवर्क इस वक्त पूरी तरह सक्रिय है और पल-पल के आंकड़े जुटा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों ने इन पांचों चट्टानों को लेकर बताया कि ये सभी तय दूरी से सुरक्षित निकल जाएंगी और इनमें से कोई भी धरती से नहीं टकराएगी। अंतरिक्ष विज्ञान के लिहाज से अगले दो दिन इसलिए अहम हैं, क्योंकि इतनी कम अवधि में पांच अलग-अलग चट्टानों का धरती के करीब से गुजरना वैज्ञानिकों के लिए एक दिलचस्प खगोलीय मौका है। नासा ने जिन पांच चट्टानों को ट्रैक किया है, उनके नाम 2026 वीए11, 2026 टीबी84, 2026 वीडी6, 2018 एनई1 और 2007 डब्ल्यूके3 हैं।

पूर्व अमेरिकी राजनयिक ने रूस को नीचा दिखाने के लिए साझा की फर्जी तस्वीर

वाशिंगटन। अमेरिका और रूस के बीच जारी रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच सोशल मीडिया पर एक फर्जी तस्वीर को लेकर विवाद खड़ा हो गया। रूस में काम कर चुके एक पूर्व अमेरिकी राजनयिक ने चीन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की एक तस्वीर साझा की। तस्वीर में ट्रंप और शी एक-दूसरे के पास बैठे दिखाई दे रहे थे, जबकि पुतिन उनसे काफी दूर नजर आ रहे थे। पूर्व राजनयिक ने तस्वीर को अमेरिकी कूटनीति की जीत बताते हुए दावा किया कि इससे पुतिन की स्थिति कमजोर दिखाई देती है। कुछ अमेरिकी सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने भी इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। हालांकि, रूस में लंबे समय से काम कर रहे एक रूसी पत्रकार ने तस्वीर की वास्तविकता पर सवाल उठाते हुए इसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार की गई फर्जी तस्वीर बताया।

अस्पतालों में मरीजों की मदद करेंगे रोबोट

बैंगलुरु। अस्पतालों में मरीजों की बढ़ती संख्या और स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ते दबाव के बीच रोबोटिक्स तकनीक नई उम्मीद बनकर सामने आई है। बैंगलुरु टेक समिट में ऐसे सर्विस रोबोट प्रदर्शित किए गए हैं. जो अस्पताल में मरीज के पहुंचने से लेकर उसे संबंधित विभाग तक पहुंचाने, बेड पर दवाइयां उपलब्ध कराने में मदद कर सकते हैं। इससे अस्पतालों में मरीजों और स्वास्थ्य कर्मचारियों दोनों का काम आसान होगा। समिट में प्रदर्शित जानकारी के अनुसार, बैंगलुरु के एक स्टार्टअप ने इजरायली कंपनी के साथ मिलकर अस्पतालों के लिए विशेष सर्विस रोबोट तैयार किए हैं। इनका उद्देश्य अस्पतालों में मरीजों की आवाजाही और जरूरी सेवाओं को व्यवस्थित करना है। अस्पताल पहुंचने वाले नए मरीज का मेडिकल रिकॉर्ड तैयार करने और उसे संबंधित विभाग तक पहुंचाने में रोबोट मदद करेगा।

प्रदूषण से नहीं मिली राहत, सुबह और रात में कम दृश्यता से वाहन चालकों को सतर्क रहने की सलाह

एनसीआर में बढ़ गई ठंड और कोहरे की मार, 11 डिग्री तक पहुंचेगा पारा

वेब वार्ता, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में ठंड का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। इसके साथ ही सुबह और देर रात कोहरे का असर भी बना रहेगा। ठंड बढ़ने के साथ दिल्ली-एनसीआर की खराब वायु गुणवत्ता लोगों के लिए दोहरी परेशानी बनी हुई है।

मौसम विभाग के अनुसार 25 नवंबर तक क्षेत्र में कोहरे का प्रभाव रहेगा। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम 12 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दौरान मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है। 21 नवंबर को अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम 14 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। 22 नवंबर को अधिकतम तापमान 26 डिग्री के आसपास रहेगा, जबकि न्यूनतम तापमान 13 डिग्री तक गिर सकता है। इस दिन भी मध्यम कोहरे की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग के अनुमान अनुसार मौसम में 23 नवंबर से बदलाव देखने को मिलेगा। इस दिन मध्यम कोहरे की जगह हल्का कोहरा रहने का अनुमान है, लेकिन तापमान में गिरावट जारी रहेगी। अधिकतम तापमान 25 डिग्री और



न्यूनतम 12 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। 24 नवंबर को भी अधिकतम तापमान 25 और न्यूनतम 12 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार 25 नवंबर इस सप्ताह का सबसे ठंडा दिन हो सकता है। इस दिन न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि अधिकतम तापमान करीब 25 डिग्री रहेगा। सुबह के समय हल्का कोहरा परेशान कर सकता है।

इस बीच हवा की गुणवत्ता भी चिंता का विषय बनी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक एक्यूआई अभी भी खतरनाक स्तर के आसपास बना हुआ है। कोहरे और धुंध के कारण प्रदूषण के कण वातावरण में जमा हो रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार तेज हवाएं नहीं चलने तक प्रदूषण से राहत की उम्मीद कम है। कम दृश्यता के कारण सुबह और देर रात वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

भारत के खिलाफ 6 फ्रंट खोलने की साजिश इसमें दो खुफिया एजेंसियां शामिल?

भारत को घेरने बांग्लादेश ही नहीं कई पड़ोसी मुल्कों की जमीन का हो रहा इस्तेमाल

वेब वार्ता, नई दिल्ली



भारत को उकसाने के लिए बांग्लादेश ही नहीं कई पड़ोसी मुल्कों की जमीन का इस्तेमाल किया जा रहा है और इसके पीछे दो खुफिया एजेंसियां शामिल हो सकती हैं। पहली है- आईएसआई और दूसरी-सीआईए। शेख हसीना ने खुद कहा था कि वह दिसंबर में किसी भी तारीख को बांग्लादेश लौट सकती हैं। कहा जा रहा है कि वह 15 तारीख के आसपास बांग्लादेश लौटने की कोशिश में हैं, लेकिन उनके लौटने से पहले बांग्लादेश में भारी उथल-पुथल और हिंसा का दौर जारी है। यहां तक कि आवामी लीग का जो गढ़ कहा जाता था गोपालगंज का इलाका वहां भारी हिंसा हो रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शेख हसीना को लेकर बांग्लादेश में पहले से गुस्सा लोगों में दिखा था और उनकी सरकार गिरा दी गई थी साल 2024 में, लेकिन पिछले कुछ महीनों में शेख हसीना के प्रति एक सिंपैथी की लहर बांग्लादेश के अलग-अलग हिस्सों में नजर आ रही है और तो और जिस स्टूडेंट्स ने बांग्लादेश में प्रोटेस्ट किया और शेख हसीना की सरकार का तख्ता पलट किया था। अब वह ही आज की बीएनपी सरकार से नाराज बताए जा रहे हैं। बीएनपी सरकार के खिलाफ सड़क पर उतर गई। आवामी लीग के कार्यकर्ता पिछले कुछ महीनों में सड़क पर उतर कर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। अब जितने आवामी लीग के नेता जो छिप कर रह रहे थे वो सब सामने आ गए हैं। बांग्लादेश में अचानक ही दुनिया के बड़े-बड़े लोग पहुंचने शुरू हो गए हैं। ढाका में पीटर हास अमेरिका के राजदूत हैं। अमेरिकी नौसेना के अधिकारियों को बांग्लादेश बुलाया गया है। ब्रिटेन की हाई कमिश्नर सहारा पहुंच गई हैं। इसके अलावा क्रिस्टेंशन वो भी वहां पहुंच चुके हैं जिनका संबंध ब्रिटेन से ही है। भारतीय एंबेसडर भी वहां पहुंच चुके हैं। बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, कहा यह जा रहा है कि अमेरिका ने अपने नौसैनिकों को बांग्लादेश भेजा है। अमेरिकी सेना के अधिकारी क्यों पहुंच रहे हैं? यह बड़ा सवाल है। एक बड़ी मुलाकात होने जा रही है अब से कुछ ही दिनों के भीतर जिसमें दुनिया के तीन बड़े देशों के नेता मिलने वाले हैं जिस पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन, चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मुलाकात हो रही है। लेकिन उससे पहले बांग्लादेश में एक तरीके से नया भारत के लिए फ्रंट खोलने की तैयारी कर ली गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक सेंट मार्टिन आइलैंड को लेकर अमेरिका पहले शेख हसीना से बहुत नाराज था और यहीं से सारा झगड़ा शुरू हुआ, लेकिन अब सेंट मार्टिन आइलैंड से ये पूरा झगड़ा शिफ्ट हो रहा है भारत की तरफ। जानकारी मिल रही है कि लाल मुनीर हार्ट एयरबेस के पास चीन ने बे ऑफ बंगाल के आसपास के इलाकों पर नजर रखने के लिए एक तो अपना बेस बनाया। दूसरे में सेंट मार्टिन आइलैंड पर अमेरिका क्योंकि कब्जा कर चुका है तो वहां से अमेरिका भी भारत के खिलाफ एंटी इंडिया एक्टिविटीज को अंजाम दे रहा है। म्यांमार से भारत में कैसे आतंकी भेजे जाते थे? यह आपने देखा जब अमेरिका के एक व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई थी हाल ही में वह म्यांमार में जितने उग्रवादी संगठन थे उनको ट्रेनिंग दे रहा था। मैथ्यू वाइडाइक और मैथ्यू वाइंड की गिरफ्तारी के बाद एनआईए ने कई बड़े खुलासे किए थे। मैथ्यू वाइडाइक अपने साथ ड्रोन अपने साथ हथियार लेकर आता था और म्यांमार के रास्ते भारत में उग्रवादी संगठनों को भेजता था। फिर यही लोग मणिपुर तक हथियार सप्लाई करते थे। यह भी जानकारी सामने आई है।

जापान में आया 5.7 तीव्रता का भूकंप, प्रशासन लोगों को सतर्क रहने को कहा

एक हफ्तेभर में एक और भूकंप आने की चेतावनी, सुनामी की वॉर्निंग नहीं

वेब वार्ता, टोक्यो



दक्षिण-पश्चिमी जापान के कुमामोटो प्रान्त में शुक्रवार सुबह धरती फिर कांप उठी, जिसकी रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.7 दर्ज की गई। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने चेतावनी दी है कि अगले एक सप्ताह तक लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि आशंका है कि इसी स्तर का एक और भूकंप आ सकता है। झटकों की निरंतरता को देखते हुए प्रशासन ने लोगों को पहले से ही सतर्क रहने की चेतावनी दी है। इस बार भी कोई सुनामी की वॉर्निंग जारी नहीं की गई। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के मुताबिक भूकंप स्थानीय समयानुसार गुरुवार-शुक्रवार देर रात 2 बजकर 22 मिनट पर आया। इसका केंद्र कुमामोटो के अमाकुसा-अशिकीता क्षेत्र में जमीन से महज 10 किलोमीटर नीचे था, जिसके कारण आसपास के इलाकों में तेज कंपन महसूस किया गया। जापान के सात स्तर वाले भूकंप तीव्रता पैमाने पर कुछ क्षेत्रों में इसकी तीव्रता लोअर-5 दर्ज की गई। भूकंप के बाद स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से कई कदम उठाए। मिनामाता और कुमा के प्रशासन ने कुछ इलाकों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए। वहीं, रेलवे सेवाओं पर भी इसका असर पड़ा, जिससे 8 ट्रेन सेवाएं रोक दी गईं। इस फैसले से करीब 5,600 यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। भूकंप के झटके केवल क्यूशू द्वीप तक सीमित नहीं रहे, बल्कि शिकोकू और होन्शू के कुछ हिस्सों में भी महसूस किए गए।

रिपोर्ट के मुताबिक कुमामोटो में आए इस भूकंप ने लोगों को जुलाई में आई विनाशकारी आपदा की याद दिला दी। 28 जुलाई को इसी प्रान्त में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें 30 से ज्यादा जानें चली गई थीं और बड़े पैमाने पर संपत्ति को नुकसान पहुंचा था। इसके अलावा अगस्त में टोक्यो के उत्तर-पूर्व में स्थित इबाराकी प्रान्त में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें 37 लोग घायल हुए थे।

म्यांमार को अंतर्राष्ट्रीय कोर्ट ने रोहिंग्या अल्पसंख्यक के नरसंहार का दोषी पाया

कोर्ट ने कहा- म्यांमार का इरादा रोहिंग्या आबादी को खत्म करना था

वेब वार्ता, हेग



अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) ने म्यांमार को रोहिंग्या अल्पसंख्यक समुदाय के नरसंहार का दोषी पाया है। दुनिया के अलग-अलग देशों के 15 जजों की पीठ ने यह फैसला सुनाया। अंतरराष्ट्रीय अदालत के इतिहास में यह पहली बार है, जब किसी देश को जनसंहार का दोषी ठहराया गया है। फैसले का सार बताते हुए जज यूजी इवासावा ने कहा कि म्यांमार का इरादा रोहिंग्या आबादी के एक बड़े हिस्से को ख़त्म करना था। उन्होंने कहा कि म्यांमार में नरसंहार से जुड़े सबूतों को बड़े पैमाने पर नष्ट किया गया, साथ ही जनसंहार के अपराधों में शामिल लोगों के ख़िलाफ जांच, मुकदमा चलाने और सजा देने के लिए भी जरूरी कदम नहीं उठाए गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय न्याय अदालत ने अपने 80 साल के इतिहास में पहली बार किसी देश को नरसंहार का अपराधी घोषित करते हुए एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। हेग स्थित अदालत के अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि म्यांमार ने राखाइन प्रांत में रहने वाले रोहिंग्या अल्पसंख्यकों के खिलाफ नरसंहार किया गया है। करीब तीन घंटे तक चले इस फैसले में अदालत ने म्यांमार की सेना द्वारा की गई बर्बरता के सबूतों को सामने रखा, जिसके कारण लाखों रोहिंग्या लोगों को जान बचाकर पड़ोसी देश बांग्लादेश और अन्य इलाकों में भागना पड़ा। कोर्ट ने म्यांमार को आदेश दिया है कि वह शरणार्थियों की सम्मानजनक और अपनी मर्जी से घर वापसी का रास्ता साफ करे, दोषियों को सजा दे और उन्हें मुआवजा भी दें।

अदालत ने कहा एक पूरी आबादी को खत्म करने की सोची-समझी साजिश थी। फैसले में कहा गया कि हजारों निर्दोष नागरिकों की हत्या की गई, महिलाओं के खिलाफ बड़े पैमाने पर यौन हिंसा हुई, बच्चों पर बेइंतहा जुल्म ढाए गए और रोहिंग्या गांवों को योजनाबद्ध तरीके से उजाड़कर वहां गैर-रोहिंग्या लोगों को बसाया गया। साल 2019 में गाम्बिया ने 1948 के संयुक्त राष्ट्र नरसंहार समझौते के तहत म्यांमार के खिलाफ यह केस दायर किया गया था, जिसे इस्लामिक सहयोग संगठन के 57 देशों का पूरा समर्थन हासिल था।

गुजरात में निजी वाहनों पर जातिसूचक शब्द और चिह्न लगाने पर रोक

गांधीनगर। निजी वाहनों पर जाति दर्शाने वाले शब्द लिखकर या चिह्न प्रदर्शित करके जातिगत पहचान का प्रदर्शन करने की गतिविधि पर नियंत्रण लाने के लिए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब दोपहिया, तिपहिया, चारपहिया या बस अथवा ट्रक सहित सभी प्रकार के निजी वाहनों पर जातिसूचक शब्द, जाति दर्शाने वाले संकेत, आकृतियाँ या लिखावट प्रदर्शित नहीं की जा सकेगी। इसके लिए गुजरात सरकार ने गुजरात मोटर वाहन नियम, 1989 में संशोधन करके इस संबंध में स्पष्ट प्रावधान किया है।

राज्य सरकार के बंदरगाह एवं परिवहन विभाग ने गत 17 नवंबर, 2026 को 'गुजरात मोटर वाहन (तीसरा संशोधन) नियम, 2026' अधिसूचित किए हैं। इस संशोधन के तहत नियम 125 के उपनियम (1) में 'नो एडवरटाइजिंग डिवाइस, फिगर' शब्दों के स्थान पर 'नो एडवरटाइजिंग डिवाइस, कास्ट साइनेज, फिगर' शब्द जोड़े गए हैं।



लॉस एंजिल्स में एक बाढ़ग्रस्त सड़क का मुआयना करते हुए एक इनफोर्समेंट अधिकारी। यहां दक्षिणी कैलीफोर्निया में भारी बारिश से कई सड़क बंद हो गयी हैं।

जानलेवा **सरकार ने खतरे की चेतावनी देने में देरी की, आसपास के शहरों में मचा हड़कंप**

अमेरिकी सेना खतरनाक केमिकल को धमाके से उड़ाएगी, लोग सदमे में

वेब वार्ता, वाशिंगटन



अमेरिकी एक राज्य में सेना करीब 5 टन बम बनाने वाले बेहद खतरनाक केमिकल को धमाके से उड़ाने जा रही है। ये केमिकल 20 साल पुराने हैं और कभी भी अपने आप फट सकते हैं। इस धमाके से हवा में लेड की जहरीली धूल का बादल छाने का खतरा है, जिसे बारूद भरी आंधी कहा जा रहा है। सरकार ने इस जानलेवा खतरे की चेतावनी देने में काफी देरी कर दी, जिससे आसपास के शहरों में हड़कंप मच गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आनन-फानन में स्कूलों और लाइब्रेरी को बंद कर दिया है। लोगों से कहा गया है कि वे या तो घर खाली कर दें या फिर दरवाजे-खिड़कियां बंद करके अंदर ही रहें। ये घटना अमेरिका के आयोवा राज्य के दक्षिण-पूर्वी हिस्से की है। पर्यावरण संरक्षण एजेंसी ने 13 नवंबर को इस धमाके के लिए इमरजेंसी परमिट जारी किया था, लेकिन 100 मील दूर तक के इलाकों को नोटिस भेजा था। मीडियापोलिस शहर के अधिकारियों को नक्शा देखने के बाद पता चला कि उनका पूरा शहर इस जहरीली धूल के सीधे रास्ते में है। आयोवा की गवर्नर के दफ्तर को भी सार्वजनिक चेतावनी के बारे में सोमवार को पहली बार बताया गया। स्कूलों में छुट्टी का ऐलान किया गया और खेल-कूद के सारे कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं।

जानकारों के मुताबिक धमाके के बाद उठने वाली ये जहरीली धूल हवा में अधिकतम एक घंटे तक रहेगी, लेकिन इसके बाद ये जमीन, घरों की छतों और पेड़ों पर बैठ जाएगी। विशेषज्ञों का कहना है कि इस धूल में लेड यानी सीसा और बारूद बनाने वाले केमिकल के सूक्ष्म कण मिले होंगे। अगर कोई व्यक्ति इस धूल के संपर्क में आता है या सांस के जरिए इसे अंदर खींच लेता है, तो ये सीधे उसके खून और नर्वस सिस्टम पर हमला करता है। विशेषज्ञों ने चिंता जताते हुए कहा कि लेड एक खतरनाक न्यूरोलॉजिकल टॉक्सिन है, जो सीधे इंसान के दिमाग की नसों को नुकसान पहुंचाता है। सूखा हुआ लेड एजाइड इतना संवेदनशील होता है कि जरा सी रगड़ या झटके से भी इसमें अपने आप विस्फोट हो सकता है। सेना के मुताबिक ठंड बढ़ने के साथ इसके अपने आप फटने का खतरा कई गुना बढ़ गया है। इन बैरलों को छूना या किसी दूसरी जगह ले जाना सीधे मौत को दावत देने जैसा था, इसलिए धमाका ही एकमात्र विकल्प बचा है। खतरे को देखते हुए प्रशासन ने प्लांट के बिल्कुल पास बसे मिडलटाउन के लोगों को घर खाली करके सुरक्षित जगह जाने को कहा है। जो लोग घर नहीं छोड़ सकते, उन्हें दरवाजे-खिड़कियां कसकर बंद रखने और घर से बाहर न निकलने की हिदायत दी है। सेना ने धूल को रोकने के लिए बैरलों के चारों तरफ कंक्रीट की मोटी दीवार और दो मंजिला ऊंचे रेत के टीले बनाए हैं।

एनवीडिया में अनिश्चितता के बाद अब कर्मचारियों को राहत की उम्मीद

वाशिंगटन। जेन्सन हुआंग के इस्तीफे के बाद एनवीडिया में अनिश्चितता का माहौल था। हालांकि, अब कर्मचारियों को राहत मिलने की उम्मीद है। कंपनी की अंतरिम सीईओ कोलेट क्रेस ने हाल ही में कर्मचारियों से बात की और उन्हें दिसंबर में वेतन वृद्धि और अतिरिक्त इक्विटी देने का वादा किया है। बता दें हुआंग ने व्यक्तिगत आचरण से जुड़े आरोपों के चलते कंपनी से इस्तीफा दिया था, जिससे उनके 33 साल लंबे नेतृत्व का अचानक अंत हो गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हुआंग के इस्तीफे के बाद यह पहली कंपनी व्यापी बैठक थी, जिसमें क्रेस ने कर्मचारियों को आश्वासन दिया। इस बैठक का असर भी देखने को मिला और बैठक के बाद एनवीडिया के शेयरों ने उछाल आया। कर्मचारियों ने बैठक से पहले करीब 700 सवाल भेजे थे, जिनमें सबसे ज्यादा सवाल वेतन और मुआवजे को लेकर थे, और दूसरे नंबर पर बोर्ड से ज्यादा पारदर्शिता की मांग की गई थी। क्रेस ने साफ कहा कि कंपनी का सबसे बड़ा काम हर कर्मचारी का ख्याल रखना है। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि कर्मचारी कंपनी के बारे में अच्छा महसूस करें और अपने मुआवजे को लेकर किसी तरह की चिंता न करें।

ब्रीफ न्यूज

डॉलर के मुकाबले रुपया 17 पैसे मजबूत होकर 93.15 पर खुला

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों की मजबूत लिवाली और प्रमुख प्रतिस्पर्धी मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के कमजोर पड़ने से शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 17 पैसे मजबूत होकर 93.15 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के बावजूद स्थानीय मुद्रा ने मजबूती दिखाई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.25 पर खुला और फिर बढ़त हासिल करते हुए 93.15 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की मजबूती दर्शाता है। गुरुवार को रुपया लगातार चौथे सत्र में बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले नौ पैसे चढ़कर 93.32 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.76 पर रहा।

गुरु नानक जयंती पर 24 नवंबर को बंद रहेंगे शेयर बाजार

मुंबई । शेयर बाजार में निवेश व ट्रेडिंग करने वालों के लिए अहम खबर है। 24 नवंबर को गुरु नानक जयंती (प्रकाश गुरुपर्व) के अवसर पर घरेलू शेयर बाजार बंद रहेंगे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में इस दिन कोई कारोबार नहीं होगा, जिससे निवेशक शेयरों की खरीद-बिक्री नहीं कर पाएंगे। इस अवकाश के कारण इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव्स और सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बॉरोइंग सहित सभी प्रमुख सेगमेंट में सामान्य ट्रेडिंग पूरी तरह स्थगित रहेगी। कैपिटल मार्केट, डेरिवेटिव्स मार्केट, इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट्स और डेट मार्केट भी प्रभावित रहेंगे। निवेशकों और ट्रेडर्स को इस छुट्टी को ध्यान में रखते हुए अपनी व्यावसायिक रणनीति को पहले से समायोजित करने की सलाह दी गई है। कमोडिटी बाजार के लिए स्थिति थोड़ी अलग हो सकती है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर आमतौर पर त्योहारों के दौरान सुबह का सत्र बंद रहता है, जबकि शाम के सत्र में कारोबार की संभावना रहती है। हालांकि, एमसीएक्स की आधिकारिक सूचना की पुष्टि करना अनिवार्य होगा। छुट्टी के बाद, बुधवार, 25 नवंबर को सामान्य कारोबार पुनः शुरू होगा। 28 और 29 नवंबर को शनिवार और रविवार होने के कारण नियमित कारोबार नहीं होगा।

फ्लिपकार्ट सेल समय बदलाव से वॉलमार्ट की तीसरी तिमाही में आय प्रभावित

नई दिल्ली । अमेरिकी खुदरा दिग्गज वॉलमार्ट ने हाल ही में घोषणा की है कि उसकी तीसरी तिमाही की राजस्व वृद्धि पर एक प्रतिशत का नकारात्मक असर पड़ा है। इसकी मुख्य वजह उसकी भारतीय ई-कॉमर्स इकाई फ्लिपकार्ट की प्रमुख बिग बिलियन डेज (बीबीडी) बिक्री आयोजन का समय बदलना है, जो इस साल चौथी तिमाही में चला गया है। कंपनी ने अपने तिमाही नतीजों में स्पष्ट किया कि पिछले साल की तुलना में फ्लिपकार्ट की 11-दिवसीय बिग बिलियन डेज बिक्री का समय बदलने से यह प्रभाव पड़ा।

अदालत ने कहा- निवेशक फंड की इकाई का मालिक, अंतर्निहित शेयरों का नहीं

मॉरीशस निवेशक के एमएफ यूनिट बिक्री पर भारत में टैक्स नहीं

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में मॉरीशस स्थित निवेशकों के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड यूनिट की बिक्री से हुए मुनाफे पर भारत में टैक्स नहीं लगाने का स्पष्टीकरण दिया है। यह फैसला इमर्जिंग इंडिया फोकस फंड्स को 593.48 करोड़ रुपए के टैक्स विवाद में बड़ी राहत देता है, जिससे भारत-मॉरीशस दोहरे कराधान से बचाव समझौते (डीटीएए) के तहत कर छूट के दावे को बल मिला है। अदालत ने आयकर विभाग की उस दलील को खारिज कर दिया जिसमें म्यूचुअल फंड यूनिट की बिक्री से हुई कमाई को अंतर्निहित भारतीय कंपनियों के शेयरों की बिक्री से प्राप्त लाभ माना जा रहा था।



कोर्ट ने स्पष्ट किया कि निवेशक केवल म्यूचुअल फंड की यूनिट का मालिक होता है, न कि फंड के जरिए खरीदे गए शेयरों का। इसलिए यूनिटधारक सीधे तौर पर किसी कंपनी का शेयरधारक नहीं होता। यह मामला मॉरीशस स्थित इमर्जिंग इंडिया फोकस फंड्स से संबंधित था, जिसने आकलन वर्ष 2022-23 में इक्विटी म्यूचुअल फंड यूनिट बेचकर 593.48 करोड़ रुपए का पूंजीगत लाभ कमाया था। आयकर विभाग का तर्क था कि फंड की 65 फीसदी से अधिक संपत्ति भारतीय शेयरों में निवेशित थी, इसलिए पूरी कमाई भारत में कर योग्य होनी चाहिए। विवाद समाधान पैनल ने भी इस तर्क का समर्थन किया था। हालांकि, दिल्ली हाई कोर्ट ने निचले न्यायाधिकरण के फैसले को बरकरार रखते हुए निवेशकों के पक्ष में निर्णय दिया। यह फैसला भारत-मॉरीशस डीटीएए के तहत प्रत्यक्ष शेयर निवेश और म्यूचुअल फंड के माध्यम से निवेश के बीच के अंतर को स्पष्ट करता है, जो विदेशी निवेशकों के लिए एक अहम मिसाल है।

सेबी ने आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के पीएमएस कारोबार के हस्तांतरण को दी मंजूरी

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवा (पीएमएस) कारोबार को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) को हस्तांतरित करने के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी है। यह अधिग्रहण आईसीआईसीआई समूह के भीतर परिसंपत्ति प्रबंधन सेवाओं के पुनर्गठन का हिस्सा है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी ने हाल ही में शेयर बाजार को दी नियामकीय सूचना में बताया कि उसे आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज से एक ईमेल प्राप्त हुआ है। इस ईमेल में जानकारी दी गई है कि आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज को सेबी से एक पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें उसके पीएमएस कारोबार को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी को हस्तांतरित करने की मंजूरी दी गई है। यह अधिग्रहण चालू स्थिति में एकमुश्त बिक्री के आधार पर किया जाएगा। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी के निदेशक मंडल ने पहले ही 10 अगस्त को आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के पीएमएस कारोबार के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी थी। इसके बाद दोनों कंपनियों ने इस सौदे के लिए एक कारोबार हस्तांतरण समझौता किया था।

वैश्विक एआई शेयरों की मंदी के बीच भारतीय बाजारों में बढ़ा विदेशी निवेश

प्रमुख ब्रोकरेज ने ताइवान से निवेश घटाया, वॉल स्ट्रीट में लगातार छठे दिन गिरावट

एजेंसी | नई दिल्ली

वैश्विक शेयर बाजारों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में तेज गिरावट और उनके ऊंचे मूल्यांकन को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच प्रमुख वैश्विक ब्रोकरेज जेफरीज ने भारतीय शेयरों में अपना भरोसा बढ़ाया है। जेफरीज के वैश्विक इक्विटी रणनीति प्रमुख ने अपने एशिया प्रशांत (जापान को छोड़कर) रिलेटिव रिटर्न पोर्टफोलियो में भारतीय शेयरों की हिस्सेदारी एक प्रतिशत अंक बढ़ाकर 15 फीसदी कर दी है। जेफरीज का यह कदम ऐसे समय में आया है जब उन्होंने इसके विपरीत ताइवान के शेयरों में निवेश की हिस्सेदारी में एक प्रतिशत अंक की कटौती की है। यह निर्णय दुनियाभर में एआई से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में तेज गिरावट के साथ जुड़ा है। जेफरीज के रणनीति प्रमुख ने अपने साप्ताहिक नोट में लिखा कि वित्तीय बाजारों का रुख अब भी ऐसा है, मानो



एआई से जुड़े पूंजीगत खर्च का दौर अपने चरम पर पहुंच चुका है, हालांकि वास्तविक स्तर पर अब तक ऐसा कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया है। वॉल स्ट्रीट में लगातार छठे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों के मुताबिक, एंथ्रोपिक की मजबूत शेयर बाजार लिस्टिंग के बावजूद एआई कंपनियों के ऊंचे वैल्यूएशन और कर्ज लेकर टेक्नोलॉजी पर किए जा रहे भारी खर्च को लेकर निवेशकों की चिंताएं कम नहीं हुई हैं। जानकारों के अनुसार, इससे वैश्विक स्तर पर निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता कमजोर बनी रह सकती है। अमेरिकी बाजारों में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली, जहां टेक्नोलॉजी शेयरों की अधिक हिस्सेदारी वाला नैस्डैक कंपोजिट सूचकांक 2.25 फीसदी और एसऐंडपी 500 सूचकांक 2.02 फीसदी लुढ़का। डाऊ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज में भी 2.19 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, एआई से जुड़े शेयरों में भारत का निवेश अपेक्षाकृत कम होने के कारण भारतीय बाजार को कुछ हद तक सुरक्षा मिल सकती है, लेकिन इसका फायदा चुनिंदा कंपनियों तक ही सीमित रहने की संभावना है। जानकारों का मानना है कि वैश्विक बाजारों में परिस्थितियां लगातार प्रतिकूल होती जा रही हैं। भारतीय शेयर बाजार के सामने अब ज्यादा कठिन चुनौती है। विशेषज्ञों के अनुसार, निवेशकों की रणनीति निफ्टी के 25,400 से 25,200 के स्तर के बीच चुनिंदा शेयरों में खरीदारी करने की होनी चाहिए, जहां 25,400 का स्तर तत्काल सपोर्ट होगा।

एआई निवेश की चिंता ने गिराए एशियाई टेक शेयर

नई दिल्ली । एशियाई टेक और सेमीकंडक्टर कंपनियों के शेयरों में शुक्रवार को भारी गिरावट देखने को मिली। जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान की कई दिग्गज कंपनियों, जिनमें सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टबैंक शामिल हैं, के शेयर 17 फीसदी तक लुढ़क गए। यह गिरावट एआई कंपनियों द्वारा किए जा रहे भारी निवेश के भविष्य में संभावित मुनाफे को लेकर निवेशकों की बढ़ती चिंता का परिणाम है, जबकि हाल ही में एआई फर्म एंथ्रोपिक का आईपीओ रिकॉर्डतोड़ सफल रहा था। बाजार के जानकारों का मानना है कि निवेशकों को संदेह है कि एआई पर कंपनियों द्वारा खर्च की जा रही भारी रकम भविष्य में कितना मुनाफा देगी।

उद्योग को मोदी की खरी-खरी, कंफर्ट जोन छोड़ो, आत्मनिर्भर बनो



एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिक्की की वार्षिक आम बैठक में भारतीय उद्योग जगत पर तीखे सवाल दागे। उन्होंने भारतीय कंपनियों द्वारा देश के विशाल घरेलू बाजार को कंफर्ट जोन मानने, दवा और धातु जैसे प्रमुख क्षेत्रों में आयात पर अत्यधिक निर्भरता, तथा अपने उत्पादों की गुणवत्ता सुधारने में विफलता पर कड़ी नाराजगी जताई। मोदी ने सीधे पूछा कि 2019 में कॉरपोरेट कर दरों में 30 से 22 फीसदी की कटौती और आयकर छूट जैसे सरकारी प्रोत्साहन के बावजूद उद्योग ने कर्मचारियों की संख्या और वेतन क्यों नहीं बढ़ाया। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत की भूख कभी शांत नहीं होती। इस संबंध में, एक निवेशक ने सोशल मीडिया पर उल्लेख किया कि जहां सीईओ और निदेशक मंडल के वेतन में भारी बढ़ोतरी हुई है, वहीं पिछले 10 वर्षों में शुरुआती वेतन महंगाई दर से थोड़ा ही अधिक बढ़ा है। प्रधानमंत्री ने उद्योग से संतुष्टि का भाव छोड़कर वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए क्षमता विकसित करने और उत्पादों की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने इंडिया फर्स्ट को अपने दीर्घकालिक निवेश निर्णयों का आधार बनाने, भविष्य की राष्ट्रीय व वैश्विक मांगों के लिए तैयार रहने, नए मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाने और कृषि व खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश बढ़ाने का भी आह्वान किया, ताकि देश आत्मनिर्भर बन सके।

टूआरई ओरियाना पावर पांच सीबीजी संयंत्रों में 750 करोड़ का निवेश करेगी

यूपी, एमपी और गुजरात में लगेंगे 110 टन प्रतिदिन क्षमता वाले संयंत्र

एजेंसी | नई दिल्ली

नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी टूआरई ओरियाना पावर लिमिटेड ने जैव ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण विस्तार की घोषणा की है। कंपनी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात में 750 करोड़ रुपये के निवेश से पांच नए कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है।

इन संयंत्रों की संयुक्त उत्पादन क्षमता 110 टन प्रतिदिन होगी और इनके अगले दो वर्षों के भीतर चालू होने की उम्मीद है। इन परियोजनाओं को सरकार की गोबर-धन पहल के तहत पंजीकृत और अनुमोदित किया गया है। यह निवेश टूआरई ओरियाना के सौर ऊर्जा और बैटरी भंडारण से आगे बढ़कर वैकल्पिक ईंधन के क्षेत्र में कदम रखने का प्रतीक है। कंपनी का यह कदम भारत के ऊर्जा मिश्रण



में विविधता लाने, घरेलू ईंधन आपूर्ति को मजबूत करने और आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के राष्ट्रीय लक्ष्य में भी योगदान देगा। टूआरई ओरियाना पावर के एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी हरित हाइड्रोजन, अमोनिया और सीबीजी जैसे वैकल्पिक ईंधनों को उच्च क्षमता वाले उभरते अवसरों के रूप में देखती है। उन्होंने कहा कि इन पांच संयंत्रों की स्थापना हरित ईंधन में एक मजबूत फुटहोल्ड बनाने की उनकी रणनीति का हिस्सा है, और भविष्य में कंपनी अपनी कुल उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए रणनीतिक निवेश जारी रखेगी। गौरतलब है कि कंपनी इससे पहले उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में 21-21 टन प्रतिदिन क्षमता वाली दो सीबीजी परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी कर चुकी है, जो जैव ऊर्जा क्षेत्र में उसकी विशेषज्ञता और प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

अर्बन कंपनी ने क्यूआईपी से जुटाए 2,500 करोड़

नई दिल्ली । घरेलू सेवा मंच अर्बन कंपनी ने घोषणा की है कि उसने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के माध्यम से 2,500 करोड़ रुपये सफलतापूर्वक जुटाए हैं। इस निर्गम के लिए कंपनी को निवेशकों से 15,000 करोड़ रुपये से अधिक की जबरदस्त मांग मिली, जो प्रस्तावित राशि का छह गुना से भी अधिक है। यह पूंजी कंपनी के इंस्टाहेल्प आपूर्ति पारिस्थितिकी तंत्र, विपणन, प्रौद्योगिकी उन्नयन, प्रशिक्षण और संभावित अधिग्रहणों को बढ़ावा देने में सहायक होगी। कंपनी ने बताया कि क्यूआईपी 16 नवंबर को खुला और 19 नवंबर को बंद हुआ। निदेशक मंडल ने 19 नवंबर को एक रुपये अंकित मूल्य वाले 16,02,56,410 इक्विटी शेयरों को 156 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर आवंटित करने की मंजूरी दी। यह निर्गम मूल्य न्यूनतम 161.03 रुपये प्रति शेयर से 3.1 प्रतिशत की छूट पर था। क्यूआईपी में 60 से अधिक निवेशकों ने बोलियां लगाई।

सोने की चाल बिगड़ी, बफे के सिद्धांत की हुई जीत

एजेंसी | मुंबई

गोल्ड मार्केट में आई हालिया गिरावट ने कई निवेशकों को चौंकाया है। वहीं दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे के निवेश सिद्धांतों को यह स्थिति एक बार फिर सही साबित करती दिख रही है, क्योंकि वह हमेशा से सोने को अनुत्पादक मानते रहे हैं। 2024 से 2026 की शुरुआत तक गोल्ड में अच्छी तेजी थी, जब कई निवेशकों ने फायदा उठाया। वॉरेन बफे ने तब भी इससे दूरी बनाए रखी। अब, सोने में फिर गिरावट का रुख है। फंड्सइंडिया रिसर्च के मुताबिक, इस साल 31 अक्टूबर तक सोने में सालाना आधार पर 25 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज हुई, जो 1980 के बाद की सबसे बड़ी गिरावटों में से एक है। नोमुरा का अनुमान है कि सोना गिरकर 3500 डॉलर तक आ सकता है, जो मौजूदा स्तर से करीब 5 फीसदी कम होगा। जहां कई निवेशक महंगाई या बाजार में



हलचल से बचाव के लिए सोने को अच्छा मानते हैं, वहीं बफे का दृष्टिकोण भिन्न है। उनका मानना है कि सोना अपने मालिक के लिए कोई कमाई नहीं करता - न ब्याज, न डिविडेंड, न कोई नया प्रोडक्ट। इसमें निवेश करने वाले सिर्फ इस उम्मीद में पैसा लगाते हैं कि कोई दूसरा निवेशक इसे ज्यादा कीमत पर खरीदेगा। इसके उलट, बफे एपल या कोका-कोला जैसी उन कंपनियों में पैसा लगाना पसंद करते हैं जो कारोबार करती हैं, मुनाफा कमाती हैं और विकास करती हैं। उनके मुताबिक, निवेश से लगातार कुछ उत्पादित होना चाहिए।

सुविधा अगस्त में अधिसूचित 10 लाख टन के कुल शुल्क दर कोटे (टीआरक्यू) में से 8,12,450 टन का आवंटन पहले ही किया जा चुका था

कच्ची चीनी आयात के लिए डीजीएफटी ने फिर खोला कोटा

पात्र मिलें 27 नवंबर तक कर सकेंगी आवेदन

एजेंसी | नई दिल्ली

वाणिज्य मंत्रालय के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कच्ची चीनी के आयात के लिए शेष बचे कोटे के आवंटन हेतु एकबारगी आवेदन सुविधा शुरू की है। यह सुविधा उन पात्र चीनी मिलों और रिफाइनरी इकाइयों के लिए है, जो 27 नवंबर तक इस कोटे के लिए आवेदन कर सकती हैं। अगस्त में अधिसूचित 10 लाख टन के कुल शुल्क दर कोटे (टीआरक्यू) में से



8,12,450 टन का आवंटन पहले ही किया जा चुका था। संबंधित आवंटियों द्वारा 27,493.859 टन कोटा वापस करने और पहले से आवंटित न की गई 1,87,550 टन मात्रा को मिलाकर, अब कुल 2,15,043.859 टन कच्ची चीनी आयात के लिए उपलब्ध है। डीजीएफटी ने बताया कि वैधता अवधि बढ़ाए जाने और शेष मात्रा को देखते हुए यह सुविधा शुरू की गई है। इसके तहत केवल वही चीनी मिलें और रिफाइनरी इकाइयां आवेदन कर सकती हैं जिनके पास आयातित कच्ची चीनी को सफेद/रिफाइंड चीनी में बदलने की अपनी कार्यशील क्षमता है।

जेपी मॉर्गन चेज के हजारों ग्राहकों का डेटा लीक

न्यूयॉर्क । अमेरिका के जेपी मॉर्गन चेज बैंक से जुड़ी एक बड़ी साइबर सुरक्षा घटना सामने आई है। बैंक को सेवाएं प्रदान करने वाली कुछ बाहरी कंपनियों पर हुए साइबर हमले के बाद हजारों ग्राहकों की निजी जानकारी इंटरनेट पर लीक हो गई है। लीक हुए डेटा में मुख्य रूप से ईमेल पते और कुछ फोन नंबर शामिल हैं, हालांकि बैंक ने स्पष्ट किया कि क्रेडिट कार्ड विवरण या अन्य अत्यधिक संवेदनशील वित्तीय जानकारी प्रभावित नहीं हुई। बैंक ने यह भी पुष्टि की है कि यह घटना हाल ही में उसकी बैंकिंग सेवाओं में आई तकनीकी खराबी से संबंधित नहीं है। बैंक प्रवक्ता ने बताया कि हमलावरों ने इन बाहरी कंपनियों के मार्केटिंग से संबंधित डेटा तक पहुंच बनाई, जिसमें ग्राहकों के नाम और ईमेल पते शामिल थे। वीजा और मास्टरकार्ड ने भी डेटा लीक की पुष्टि की है, लेकिन स्पष्ट किया कि उनके भुगतान संबंधी कार्यों या ग्राहकों की संवेदनशील जानकारी पर कोई असर नहीं पड़ा। बैंक के अनुसार प्रभावित खातों की संख्या हजारों में है, जो चेज बैंक के करोड़ों ग्राहकों के आधार का एक छोटा हिस्सा है।

फेयरफैक्स अब आईआईएफएल कैपिटल का नया प्रवर्तक

44.08 प्रतिशत की नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल की

नई दिल्ली। कनाडा के अरबपति प्रेम वत्स की अगुवाई वाले फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स समूह ने आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज में अपनी कुल हिस्सेदारी बढ़ाकर 44.08 प्रतिशत कर ली है। इस अधिग्रहण के साथ फेयरफैक्स अब कंपनी का नया प्रवर्तक बन गया है, जो भारत में समूह की बढ़ती निवेश रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। फेयरफैक्स की निवेश इकाई एफआईएच मॉरीशस इन्वेस्टमेंट्स ने खुले बाजार से शेयरों की खरीद प्रक्रिया पूरी की। आंकड़ों के मुताबिक, एफआईएच मॉरीशस इन्वेस्टमेंट्स ने औसत 350 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 1,540 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जिससे आईआईएफएल कैपिटल में उसकी हिस्सेदारी बढ़कर 40.79 प्रतिशत हो गई। संबद्ध इकाइयों के साथ फेयरफैक्स समूह की कुल हिस्सेदारी 44.08 प्रतिशत हो गई है। इस बदलाव के बाद, आईआईएफएल के मौजूदा प्रवर्तक समूह की हिस्सेदारी 25.80 प्रतिशत से घटकर 11.85 प्रतिशत रह गई। प्रवर्तक समूह के प्रमुख निर्मल जैन और वेंकटरमण राजमणि ने अपनी हिस्सेदारी बेची है।

ब्रीफ न्यूज़

हेनरी निकल्स अपनी नाबाद पारी से दिग्गजों की सूची में शामिल हुए

वैलिंगटन। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज हेनरी निकोलस ने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में नाबाद 175 रनों की पारी खेलकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। इस पारी के साथ ही निकोलस महान बल्लेबाजों विव रिचर्ड्स, जो रूट और स्टीव स्मिथ की सूची में आ गये हैं। ये वो बल्लेबाज हैं जिन्होंने भारत के खिलाफ कठिन हालातों में खेलते हुए नाबाद पारियां खेली हैं। निकोलस ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए ग्लेन फिलिप्स के साथ छठे विकेट के लिए 216 रनों की साझेदारी की थी। निकोलस ने 335 गेंदों पर 21 चौकों की मदद से नाबाद 175 रन बनाए। इससे कीवी टीम 368 रनों तक पहुंच पायी। अपनी 175 रनों की पारी के साथ ही वह भारत के खिलाफ सबसे बड़ा व्यक्तिगत नाबाद स्कोर बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गय। इस प्रतिष्ठित सूची में इंग्लैंड के जो हार्डस्टाफ के नाम 205 रन हैं जो उन्होंने साल 1946 में लॉर्ड्स में बनाये थे। वहीं वेस्टइंडीज के विव रिचर्ड्स के 192 रन हैं जो उन्होंने साल 1974 में दिल्ली में बनाये थे। पाकिस्तान के सईद अनवर ने साल 1999 में कोलकाता में 188 रन बनाये थे। इंग्लैंड के जो रूट ने 180 रन साल 2021 में लॉर्ड्स में बनाये थे।

बैनक्रॉफ्ट ने भारतीय परंपरा के अनुसार मनाया जन्मदिन

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर कैमरन बैनक्रॉफ्ट ने हाल ही में अपना 34वां भारतीय परंपरा के अनुसार मना है। जिसके बाद से ही वह सोशल मीडिया में छाये हुए हैं। बैनक्रॉफ्ट जन्मदिन के अवसर पर टीका लगाये और भारतीय परिधान पहने नजर आये। सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में भी बैनक्रॉफ्ट केसरिया रंग के कुर्ते और माथे पर लाल तिलक लगाये दिखे। तस्वीरों में वह पूजा की थाली के साथ दिखे। इस दौरान आसपास आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर की तस्वीर भी स्पष्ट रूप से दिख रही है। यह दिखाता है कि बैनक्रॉफ्ट भारतीय रीति-रिवाजों और अध्यात्म से कितनी गहराई से जुड़े हुए हैं। वह पहले भी श्री श्री रविशंकर के साथ अपनी तस्वीरें साझा कर चुके हैं। कैसरिया रंग का कुर्ता धारण कर बैनक्रॉफ्ट ने यह संदेश भी दिया है कि पारंपरिक परिधानों को पहनने के लिए किसी विशेष त्योहार का इंतजार करना आवश्यक नहीं है, बल्कि इन्हें जन्मदिन जैसे निजी उत्सवों पर भी गर्व से पहना जा सकता है। उनके माथे पर लगा लाल तिलक उनके पूरे लुक को और भी आकर्षक बना रहा था, जिसने उनके प्रशंसकों को एक सुखद आश्चर्य दिया। बैनक्रॉफ्ट इससे पहले तब खबरों में आये थे जब साल 2018 के सैंडपेपरगेट बॉल टैंपरिंग विवाद के कारण उनपर नौ माह का प्रतिबुंध लगाया गया था।

डु प्लेसिस ने ख्वाजा को सबसे बड़ा गद्दार बताया

सिडनी। सैंडपेपरगेट बॉल टैंपरिंग मामले में ऑस्ट्रेलियाई टीम के सभी खिलाड़ियों के शामिल होने के आरोप लगाने वाले पूर्व क्रिकेटर उस्मान ख्वाजा अब अपने साथियों ही नहीं विरोधी टीम के खिलाड़ियों के निशाने पर भी आ गये हैं। पहले जहां कप्तान पैट कमिंस ने उनके आरोपों को खारिज किय था।

पंकज, कोठारी और कमल का दमदार प्रदर्शन; महिला वर्ग में अमी, कीर्तना और अनुपमा की खिताबी उम्मीदें बरकरार

विश्व स्नूकर चैंपियनशिप : दिग्विजय का बड़ा उलटफेर, रिकॉर्डधारी नानसेन को हराया; ब्रजेश अंतिम-16 में

वेब वार्ता, इंदौर

यशवंत क्लब में खेली जा रही आईबीएसएफ विश्व स्नूकर चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा कायम है। पुरुष वर्ग में भारत के दिग्विजय कडियन ने बड़ा उलटफेर करते हुए हांगकांग चाइना के रिकॉर्डधारी नानसेन वान को 4-1 से हराकर प्रतियोगिता से बाहर कर दिया। वहीं, अनुभवी भारतीय खिलाड़ी ब्रजेश दम्मानी ने अली अलोबैदली को 4-0 से शिकस्त देकर अंतिम-16 में प्रवेश किया। दूसरी ओर, ईरान के अमीर सरखोश ने आदित्य मेहता को 4-1 से हराकर उनकी चुनौती समाप्त कर दी। दिग्विजय की जीत इसलिए खास रही कि नानसेन ने एक दिन पहले ही 138 अंकों का ब्रेक लगाकर प्रतियोगिता का सर्वोच्च ब्रेक रिकॉर्ड बनाया था। उनके नाम 116 और 100 अंकों के शतकीय ब्रेक भी दर्ज हैं। रिकॉर्ड प्रदर्शन के बावजूद दिग्विजय ने दबाव में संयमित खेल दिखाते हुए उन्हें शिकस्त दी और अंतिम-16 में जगह बनाई।



ब्रजेश का क्लीन स्वीप, अब कोठारी से मुकाबला: ब्रजेश दम्मानी ने अंतिम-24 के मुकाबले में अली अलोबैदली को लगातार चार फ्रेम जीतकर 4-0 से हराया। ग्रुप चरण में इंग्लैंड के हार्वे चैंडलर से 3-4 की हार के बाद ब्रजेश ने शानदार वापसी की। अब अंतिम-16 में उनका मुकाबला भारत के ही सौरव कोठारी से होगा। इस तरह एक भारतीय खिलाड़ी का क्वार्टर फाइनल में पहुंचना तय है। पुरुष वर्ग के अन्य मुकाबलों में लैंगयी रयान ली ने मलकीत सिंह को 4-2, अमीर सरखोश ने आदित्य मेहता को 4-1 और ध्वज हरिया ने उजैर खान को 4-1 से हराया। मनन चंद्र ने क्रिश गुरबक्षानी को 4-3 तथा रेयान रजमी ने एस. श्रीकृष्णा सूर्यनारायणन को 4-3 से पराजित किया।

ब्रेक सूची में तीन भारतीय शीर्ष चार में: चैंपियनशिप की सर्वोच्च ब्रेक सूची में नानसेन वान 138 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं। भारत के एस. श्रीकृष्णा सूर्यनारायणन 136 अंकों के ब्रेक के साथ दूसरे, सौरव कोठारी 127 के साथ तीसरे और क्रिश गुरबक्षानी 119 अंकों के ब्रेक के साथ चौथे स्थान पर हैं। 29 बार के विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी ने भी 111, 109 और 100 अंकों के शतकीय ब्रेक लगाए हैं। वे सूची में आठवें स्थान पर हैं। कोठारी ने सऊदी अरब के उमर अलाजलानी को 4-0 से हराने के दौरान 101 और 127 अंकों के ब्रेक लगाए थे। वहीं, क्रिश ने ग्रुप चरण में ईरान के अमीर सरखोश को 4-3 से हराते हुए पहले फ्रेम में 119 अंकों का ब्रेक लगाया था।

महिला वर्ग में अमी, कीर्तना और अनुपमा से उम्मीदें

महिला वर्ग में इंदौर की अमी कमानी और भारत की कीर्तना पांडियन ने अपने-अपने ग्रुप के चारों मुकाबले जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। अमी ने फिलीपींस की कार्मिले बुहाट, ईरान की सईदेहसाबा मुसावी, आयरलैंड की एला ओकॉनर और भारत की अफीफा फखरुद्दीन को हराया। कीर्तना ने पूजा गुलांडिया, सेतयेश अमिरजिमी, हांगकांग चाइना की यी टिंग चेउंग और आयरलैंड की मेगन रैंडल को शिकस्त दी। गत चैंपियन अनुपमा रामचंद्रन ने भी नॉकआउट में जगह बनाई है। महिला क्वार्टर फाइनल में अनुपमा का मुकाबला कीर्तना से होगा, जबकि सो मन यान और यी टिंग चेउंग आमने-सामने होंगी। शीर्ष वरीयता प्राप्त इंग्लैंड की टेसा डेविडसन का सामना मार्गरेट ओड्रिस्कॉल और कार्मिले बुहाट के मुकाबले की विजेता से होगा। दूसरी वरीयता प्राप्त अमी कमानी शिउ विंग मैन और इशिका शाह के मुकाबले की विजेता से खेलेंगी। 22 नवंबर तक चलने वाली इस चैंपियनशिप में नॉकआउट मुकाबलों के साथ खिताबी संघर्ष रोचक हो गया है। पुरुष वर्ग में दिग्विजय और ब्रजेश की जीत के साथ पंकज, कोठारी और कमल का प्रदर्शन भारतीय उम्मीदों को मजबूत कर रहा है। वहीं, महिला वर्ग में अपराजित अमी और कीर्तना तथा गत विजेता अनुपमा से घरेलू दर्शकों को खिताबी सफलता की उम्मीद है।

पंकज, कमल और कोठारी का ग्रुप में दबदबा

पंकज आडवाणी ने ग्रुप एल के तीनों मुकाबले जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने अंतिम मुकाबले में ईरान के शाहिन साब्जी को 4-0 से हराया। इस दौरान दूसरे फ्रेम में 111 और तीसरे में 51 अंकों का ब्रेक लगाया। इंदौर के स्थानीय खिलाड़ी और विश्व पुरुष सिक्स रेड स्नूकर चैंपियन कमल चावला ने भी ग्रुप एफ के तीनों मुकाबले जीतकर नॉकआउट में जगह बनाई। उन्होंने सिंगापुर के सनी वांग को 4-2 से हराया। सौरव कोठारी ने ग्रुप जे में तीनों मुकाबले जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने 12 फ्रेम जीते और केवल एक गंवाया।

पीसीबी ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डिट्ज को बनाया महिला टीम का नया कोच

यह नियुक्ति टीम के प्रदर्शन में सुधार लाने और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उसे मजबूत बनाने का प्रयास माना जा रहा

एजेंसी ■ लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी महिला टीम के लगातार खराब प्रदर्शन को देखते हुए उसके लिए एक नया कोच नियुक्त किया है। पीसीबी ने ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी पूर्व क्रिकेटर शेन डिट्ज को टीम का का नया मुख्य कोच बनाया है। यह नियुक्ति टीम के प्रदर्शन में सुधार लाने और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उसे मजबूत बनाने का प्रयास माना जा रहा है। डिट्ज वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली आगामी द्विपक्षीय सीरीज से अपना कार्यभार संभालेंगे। डिट्ज की राह आसान नहीं है। उन पर शुरुआत से ही टीम को जीत की पटरी पर लाने का दबाव रहेगा।

इसी बीच अपनी नियुक्ति पर खुशी व्यक्त करते हुए डिट्ज ने कहा कि वह पाकिस्तान महिला टीम का कोच बनकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। डिट्ज ने पीसीबी द्वारा जारी बयान में भविष्य की योजनाओं और टीम के लक्ष्यों पर भी प्रकाश डाला, जो उनके दूरदर्शी रुख को दिखाता है। उन्होंने स्पष्ट किया, 2028 में हम टी20 विश्व कप की मेजबानी करेंगे। हमारा लक्ष्य समर्थकों को घरेलू मैदान पर उत्साहित होने का अवसर देना है। विश्व कप में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए हमें बहुत सुधार करना है और हम सभी को खिलाड़ियों और स्टाफ के तौर पर विश्व स्तरीय प्रदर्शन देने के लिए विकसित होना होगा। डिट्ज ने पाकिस्तान के प्रति अपने गहरे लगाव को भी व्यक्त किया, मैं पहले तीन बार पाकिस्तान का



दौरा कर चुका हूं। यहां क्रिकेट के लिए प्यार और जुनून लोगों को अपनी ओर खींचता है। मैं टीम के साथ काम करने के लिए वहां जाने का इंतजार नहीं कर सकता। उनका यह बयान टीम के साथ उनके भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाता है।

गौरतलब है कि डिट्ज के पास कोचिंग के क्षेत्र में लंबा अनुभव है। वह हाल ही में वेस्टइंडीज महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में कार्यरत थे, जहां उनकी देखरेख में टीम ने 2024 और 2026 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। यह उनकी रणनीतिक और कोचिंग क्षमताओं का एक बड़ा प्रमाण है। इसके पूर्व, डिट्ज बांग्लादेश और नीदरलैंड्स की महिला राष्ट्रीय टीमों के साथ भी काम कर चुके हैं। इसके अलावा, 2008 से 2013 तक न्यूजीलैंड में क्रिकेट वेलिंगटन के साथ हाई-परफॉर्मेंस कोच के तौर पर भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जहां उन्होंने युवा प्रतिभाओं को निखारने और उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने के लिए तैयार करने में अहम योगदान दिया। डिट्ज के लिए पाक महिला क्रिकेट टीम को आईसीसी और एसीसी टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार करना एक महत्वपूर्ण चुनौती होगी। टीम को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने और निरंतर सफलता प्राप्त करने के लिए डिट्ज के अनुभव और विशेषज्ञता पर काफी कुछ निर्भर करेगा। पीसीबी को उम्मीद है कि नये कोच के आने से टीम तेजी से आगे बढ़ेगी।

बुमराह सेना देशों में सबसे अधिक विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज बने

वैलिंगटन। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में चार विकेट लेकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। बुमराह अब सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में तीन या उससे अधिक विकेट लेने के मामले में सभी एशियाई गेंदबाजों से आगे निकल गये हैं। भले ही बुमराह एक विकेट की कमी से पांच विकेट नहीं ले पाये पर सेना देशों में सबसे अधिक विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज जरुर बन गये। बुमराह ने अब तक सेना देशों में खेली गई कुल 65 टेस्ट पारियों में 31 बार तीन या उससे अधिक विकेट लेने का कारनामा किया है। यह आंकड़ा उन्हें इस विशेष श्रेणी में किसी भी अन्य एशियाई गेंदबाज से काफी आगे रखता है। इस खास उपलब्धि के साथ ही बुमराह ने कई दिग्गज एशियाई गेंदबाजों को भी पीछे छोड़ दिया है। इस सूची में दूसरे स्थान पर पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम हैं, जिन्होंने अपनी 55 पारियों में 27 बार तीन या उससे अधिक विकेट लिए थे। वहीं भारतीय टीम के पूर्व लेग स्पिनर अनिल कुंबले 67 पारियों में 23 बार तीन विकेट लेकर तीसरे पायदान पर हैं। वहीं, श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन ने सिर्फ 34 पारियों में 23 बार यह कारनामा किया है। बुमराह ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली पारी में 92 रन देकर 4 विकेट लिए। 3.20 के इकॉनमी रेट के साथ, वह भारत के लिए इस पारी के सबसे सफल गेंदबाज रहे।

सीएसके में कोई धोनी के स्तर तक नहीं पहुंच पायेगा: पठान



चेन्नई। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को अब महेन्द्र सिंह धोनी जैसा कोई क्रिकेटर नहीं मिलेगा। इरफान के अनुसार कोई भी क्रिकेटर उस स्तर को हासिल नहीं कर पायेगा जो धोनी ने किया है। पठान ने धोनी की इसी विरासत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, क्रिकेट के मैदान पर उन्होंने जो कुछ किया, जिस तरह का प्रदर्शन किया और मैच को जिस प्रकार से आखिरी तक ले जाकर उसे समाप्त किया वह मुझे नहीं लगता कि सीएसके में कभी कोई कर पाएगा। पठान ने यह भी जोड़ा कि धोनी की मेंटरशिप टीम के लिए अहम होगी पर एक खिलाड़ी के तौर पर उनकी विरासत को पीछे छोड़ना बहुत कठिन होगा।गौरतलब है कि धोनी ने चेन्नई के लिए 272 मैच खेले, जो फ्रेंचाइजी के इतिहास में सबसे अधिक हैं।

उन्होंने 5,314 रन बनाए और अपनी कप्तानी में सीएसके को पांच आईपीएल खिताब दिलाए। करीबी मैचों को आखिरी ओवर तक ले जाकर खत्म करने की उनकी खूबी उनकी पहचान बनी है। पठान ने धोनी के साथ ड्रेसिंग रूम में बिताए समय को याद करते हुए बताया कि वह कप्तान रहते हुए भी हमेशा युवा खिलाड़ियों को मेंटर करते थे। उन्होंने कहा, जब वह कप्तान थे, तब भी वह हमेशा खिलाड़ियों को मेंटर करते थे। कई बार आप बस धोनी और उनकी काबिलियत पर भरोसा कर सकते थे और फिर बेझिझक जाकर गेंदबाजी कर सकते थे। पठान को उम्मीद है कि डगआउट में मेंटर के तौर पर भी धोनी अपना जादू दिखाएंगे, और उनकी यह विरासत कई दशकों तक याद रखी जाएगी। भारत के लिए धोनी का कद आईपीएल से कहीं बड़ा रहा है। कप्तान के तौर पर उन्होंने 2007 में भारत को टी20 वर्ल्ड कप और 2011 में 50 ओवरों का वर्ल्ड कप जिताया। उन्होंने 2019 में भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेला और 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था, हालांकि आईपीएल में वह खेलना जारी रखे थे।

तीन दशक बाद न्यूजीलैंड में भारतीय सलामी जोड़ी ने शतकीय साझेदारी बनाई

वेलिंगटन। भारत के यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की जोड़ी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन शतकीय साझेदारी कर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इस जोड़ी ने भारतीय टीम को अच्छी शुरुआत देने के साथ ही तीन दशक के बाद न्यूजीलैंड में पारी की शुरुआत करते हुए शतकीय साझेदारी बनायी है। इससे पहले आखिरी बार साल 1994 में नयन मोंगिया और नवजोत सिंह सिद्धू की सलामी जोड़ी ने न्यूजीलैंड की धरती पर शतकीय साझेदारी की थी। उसके



बाद से ही किसी भी भारतीय सलामी जोड़ी ने यह उपलब्धि हासिली नहीं की थी पर अब राहुल और यशस्वी की जोड़ी ने इस लंबे इंतजार को खत्म करते हुए इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया है। विदेशी धरती पर, खासकर सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) में सलामी बल्लेबाजों से मिली मजबूत शुरुआत किसी भी टीम के लिए हमेशा अहम होती है।

रोहित-कोहली को साल 2027 एक दिवसीय विश्व कप के लिए टीम में बनाये रखें : मदन लाल

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मदन लाल का मानना है अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की जरुरत भारतीय टीम को साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में पड़ेगी। इसलिए इन दोनो को विश्वकप के लिए टीम में बनाये रखना चाहिये। साल 1983 विश्वकप विजेता टीम के सदस्य रहे मदनलाल के अनुसार जितना अनुभव इन दोनो को है उतना अभी किसी अन्य खिलाड़ी के पास नहीं है। विश्व स्तर के मैचो में दबाव के क्षणों में ऐसे खिलाड़ियों का होनो जरुरी रहता है।

इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, मेरा मानना है कि रोहित और विराट को अगले विश्व कप के लिए बने रहना चाहिए। टीम के लिए उनका प्रदर्शन बहुत अहम होगा। बड़े टूर्नामेंटों में टीम को उनके जैसे अनुभवी और बेहतरीन खिलाड़ियों से काफी उम्मीदें होती हैं। मुझे भरोसा है कि वे दोनों भी संन्यास से पहले एक दिवसीय विश्व कप जीतना चाहेंगे , पिछली बार खिताब के करीब पहुंचकर भी वे इसे हासिल नहीं कर पाये थे। इसी वजह से मुझे लगता है कि उन्हें विश्व कप अभियान का हिस्सा होना चाहिए। पूर्व ऑलराउंडर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर, इन जैसे अनुभवी खिलाड़ी दबाव को संभालने और महत्वपूर्ण क्षणों में टीम को जीत दिलाने की क्षमता रखते हैं।

मदन लाल का यह बयान ऐसे समय में आया है जब 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले विश्व कप की तैयारियों के बीच ही इन दोनो दिग्गजों की टीम में जगह को लेकर साफ तौर पर कुछ भी नहीं कहा गया है। हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में इन दोनों का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है जिससे भी इनको बरकरार रखे जाने पर संशय जताया जा रहा है। इसका कारण है कि न्यूजीलैंड के हालात दक्षिण अफ्रीका के जैसे ही हैं। रोहित न्यूजीलैंड दौरे में एकदिवसीय सीरीज की चार पारियों में केवल 30 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 7.50 का रहा। उनके स्कोर 0, 23, 0 और 7 रहे, जिसमें वह दो बार शून्य पर आउट हुए। यह एक ओपनर के तौर पर किसी द्विपक्षीय वनडे सीरीज में उनका सबसे कम बल्लेबाजी औसत दर्ज किया गया। वहीं विराट ने चार पारियों में कुल 86 रन बनाए, जिनका औसत 21.50 रहा।

दो साल बाद मिली सीरीज जीत

पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट में श्रीलंका को आठ विकेट से हराया

एजेंसी ■ रावलपिंडी

पाकिस्तान ने यहां हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में श्रीलंका को 8 विकेट से हराकर दो मैच की सीरीज 1-0 से जीत ली है। इसी के साथ ही पाक को दो साल के बाद कोई टेस्ट सीरीज जीतने का अवसर मिला है। इससे कप्तान बाबर आजम और प्रशंसकों को जश्न का अवसर भी मिल गया है। पिछले दो साल से पाकिस्तान टीम के लिए टेस्ट मैच जीतना एक बड़ी चुनौती बना हुआ था, और आखिरकार उसने अपने घरेलू मैदान पर इस जीत के सूखे को खत्म कर ही दिया। इस मैच में पाक टीम को जीत के लिए केवल 90 रनों का लक्ष्य मिला था, जिसे उसने चौथे दिन के



पहले ही सत्र में दो विकेट के अनुसान पर हासिल कर लिया। इस मैच के चौथे दिन श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी की शुरुआत नौ विकेट के नुकसान पर 309 रनों के साथ की थी। मोहम्मद अब्बास ने दिन की शुरुआत में ही आशिता फर्नांडो को आउट कर श्रीलंकाई पारी को 316 रनों पर समेट दिया। इसके बाद पाकिस्तान को जीत के लिए 90 रनों का मामूली लक्ष्य मिला, जिसके लिए उसके पास दो पूरे दिन बाकी थे, लेकिन टीम ने बिना कोई देरी किए इसे चौथे दिन ही हासिल कर लिया। मेजबान टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अपने दो विकेट खोये।

सलामी बल्लेबाज तैयब आरिफ 30 और मोहम्मद ताहा 7 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अजान अवैस 32 रन और आमिर जमाल 34 रन ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए कोई और विकेट गिरने नहीं दिया और अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इस जीत में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास की अहम भूमिका रही। अब्सास ने दोनो पारियों में श्रीलंकाई बल्लेबाजों पर दबाव बनाये रखा। पहली पारी में, जब श्रीलंका केवल 98 रनों पर सिमट ई थी, अब्बास ने 14 ओवरों में सिर्फ 14 रन देकर तीन विकेट लिए थे। उनके अलावा राजाउल्लाह और आमिर जमाल ने भी तीन-तीन विकेट लेकर श्रीलंकाई टीम को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं इसे बाद पाकिस्तान ने 325 रन बनाए। दूसरी पारी में भी मोहम्मद अब्बास ने 34 ओवरों में सिर्फ 55 रन देकर फिर से तीन विकेट हासिल किए, जिससे श्रीलंका बड़ा स्कोर खड़ा करने में विफल रही।

बार्टी और शिंगो साल 2027 हॉल ऑफ फेम के लिए नामांकित किये गये

सेन डियागो। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ऐश बार्टी और चार बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता शिंगो कुनिदा को साल 2027 में दिये जाने वाले इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए चुना गया है। ये अवार्ड 26 से 28 अगस्त 2027 के बीच न्यूपोर्ट, रोड आइलैंड में होने वाले इंडक्शन समारोह में प्रदान किये जाएंगे। इस अवार्ड के लिए बार्टी को प्रतिष्ठित खिलाड़ी श्रेणी में चुना गया है, जबकि कुनिदा को व्हीलचेयर टेनिस कैटेगरी में यह सम्मान मिलेगा। यह श्रेणी उन खिलाड़ियों को जगह देती है, जिनका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असाधारण प्रदर्शन और उपलब्धियों का रिकॉर्ड रहा हो। बार्टी, एक तीन बार की मेजर सिंगल्स चैंपियन हैं, जिन्होंने 2019 में रोलैंड-गैरोस (फ्रेंच ओपन), 2021 में विंबलडन और 2022 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता। उन्होंने 2018 यूएस ओपन में अपना पहला मेजर डबल्स खिताब भी हासिल किया था। 2019 में विश्व नंबर 1 बनीं, उन्होंने कुल 121 हफ्तों तक शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाए रखा, जिसमें लगातार 114 हफ्ते शामिल थे।

भोपाल आज का तापमान
MIN 20 MAX 31

ब्रीफ न्यूज

बरौनी-एर्नाकुलम के बीच चलेगी वन-वे स्पेशल ट्रेन

भोपाल। छठ पर्व के बाद यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेल प्रशासन ने बरौनी से एर्नाकुलम के बीच एक ट्रिप वन-वे पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन का भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर ठहराव रहेगा। गाड़ी संख्या 05223 बरौनी-एर्नाकुलम वन-वे स्पेशल 21 नवंबर 2026 को रात 11 बजे बरौनी से रवाना होगी। यह 22 नवंबर को सतना में दोपहर 12:50 बजे, कटनी में दोपहर 2 बजे, जबलपुर में दोपहर 3:40 बजे और इटारसी में रात 7:50 बजे पहुंचेगी। इसके बाद नागपुर, विजयवाड़ा, नेल्लोर, रेनीगुंटा, काटपाडी, सलेम, इरोड, कोयंबटूर और पलक्कड़ होते हुए 24 नवंबर को सुबह 7 बजे एर्नाकुलम पहुंचेगी। इस स्पेशल ट्रेन में कुल 18 आईसीएफ कोच रहेंगे। इनमें शयनयान और सामान्य श्रेणी के कोच शामिल हैं। रेल प्रशासन ने यात्रियों से इस अतिरिक्त सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है। ट्रेन की समय-सारणी और ठहराव की जानकारी रेलवे की हेल्पलाइन 139 अथवा एनटीईएस ऐप और वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

भाइयों की हत्या का बदला लेने किसान को उतारा मौत के घाट



भोपाल। नजीराबाद थाना क्षेत्र के सुथला गांव में दो साल पुरानी खूनी रंजिश में चार भाइयों ने मिलकर 55 वर्षीय किसान की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपितों ने खेत में सिंचाई के लिए बेटे के साथ जा रहे किसान को रास्ते में घेर लिया और कुल्हाड़ी व डंडों से हमला कर दिया। हमले के दौरान पिता-पुत्र अलग-अलग दिशाओं में भागे। बेटा किसी तरह जान बचाकर घर पहुंच गया, जबकि पिता का शव गांव के बाहर नाले में मिला। पुलिस ने चारों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, धुल सिंह पिता गंगाराम का पूर्व सरपंच गणपत सिंह गुर्जर के परिवार से सरकारी जमीन को लेकर करीब दो साल से विवाद चल रहा था। वर्ष 2024 में इसी रंजिश में धुल सिंह के परिवार के सदस्यों ने गणपत सिंह के परिवार के दो सगे भाइयों रंगलाल और उसके भाई की हत्या कर दी थी। इस मामले में धुल सिंह के परिवार के 16 सदस्य जेल में बंद हैं। आरोपित पक्ष पुराने मामले में राजीनामा करने का दबाव भी बना रहा था। गुरुवार रात करीब 12:30 बजे धुल सिंह अपने बेटे जसवंत के साथ खेत जा रहे थे। तभी हरिनारायण, बलराम, राजू और रवि गुर्जर ने उन्हें घेरकर हमला कर दिया। जसवंत भागकर घर पहुंचा। पिता के नहीं लौटने पर स्वजनों ने तलाश की तो उनका शव गांव के बाहर नाले में मिला। शरीर पर कुल्हाड़ी और डंडों से हमले के गंभीर निशान थे।



अब सुबह 7 से 10 बजे तक खुलेगा ईको लॉजिकल पार्क

■ आंदोलन की धमकी के बाद वन विभाग के तेवर पड़े नरम

वेब वार्ता, भोपाल

भोपाल के बाग मुगालिया स्थित ईको लॉजिकल पार्क को खोलने पर सहमति बन गई है। अब यह सुबह 7 से 10 बजे तक खोला जाएगा। हालांकि, शाम की सैर बंद रहेगी।

पार्क में तेंदुए के मूवमेंट के बाद उसे बंद कर दिया था। इसे लेकर रहवासी 24 नवंबर को आंदोलन करने वाले थे। लहारपुर का एरिया करीब 450 हेक्टेयर है। इसमें से करीब 25 हेक्टेयर में लोग वॉक करने आते हैं। इसे सुरक्षित रखा है। लोगों को प्रतिबंधित क्षेत्र में नहीं जाने देते।

प्रदर्शन से पहले शुक्रवार सुबह वन विभाग के अधिकारियों ने रहवासियों से बात की। रेंजर दीपक श्रीवास्तव, डिप्टी रेंजर कुलदीप शर्मा के साथ हुई बैठक में तय हुआ कि पार्क को सुबह 7 से 10 बजे तक सैर पर आने वालों के लिए खोल दिया जाएगा।

सुरक्षा के लिहाज से प्रतिबंधित क्षेत्रों में घूमने पर मनाही रहेगी। लोग ग्रुप में घूमेंगे, न कि अकेले। इन बातों पर रहवासियों ने भी सहमति जताई। बाग मुगालिया एक्सटेंशन कॉलोनी समिति के अध्यक्ष समेत रहवासी मौजूद थे। पिछले कई दिन से घूमने पर लगी रोक का विरोध 24 नवंबर को रहवासी करने वाले थे। यह प्रदर्शन को 'इकोलॉजिकल पार्क चलो, पार्क खुलवाओ' नाम दिया गया था।

ईको लॉजिकल पार्क के पीछे बायपास के पास 9 नवंबर को तेंदुए के शावक ने एक किशोर पर हमला कर दिया था। इसके बाद उसे एम्स ले जाया गया। इलाज के बाद उसे छुट्टी दे दी गई थी। उसके सीने पर पंजे के 4 घाव थे, जबकि हाथ पर भी चोट आई थी। वह बैरिकेडिंग पार कर जंगल के प्रतिबंधित क्षेत्र में पहुंच गया था। इसी दौरान तेंदुआ अचानक सामने आ गया। घबराकर किशोर वहीं रुक गया, तभी तेंदुए ने हमला कर उसे गिरा दिया और सीने पर पंजे मारे। खुद को बचाने के लिए किशोर ने तेंदुए को दूर किया, जिससे उसके हाथ पर भी पंजा लगा। इस मामले के बाद वन विभाग ने एहतियातन पार्क बंद कर दिया था। लहारपुर का एरिया करीब 450 हेक्टेयर है। इसमें से करीब 25 हेक्टेयर में लोग वॉक करने आते हैं। इसे सुरक्षित रखा है। लोगों को प्रतिबंधित क्षेत्र में नहीं जाने देते।

अब प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में दिव्यांगों के लिए पार्किंग फ्री

■ किराए में छूट न देने पर 6 जिलों के बस संचालकों पर होगी कार्रवाई

वेब वार्ता, भोपाल

मध्यप्रदेश में दिव्यांगजनों को मिलने वाली सुविधाओं और उनके अधिकारों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आयुक्त दिव्यांगजन कार्यालय ने निर्देश जारी किए हैं। प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में दिव्यांगजनों से पार्किंग शुल्क नहीं लिया जाएगा। वहीं, यात्री बसों में 50 प्रतिशत किराए की छूट नहीं देने और दिव्यांगजनों से अभद्रता करने वाले बस संचालकों के खिलाफ परिवहन विभाग के माध्यम से कार्रवाई की जाएगी।



आयुक्त दिव्यांगजन कार्यालय को मिली शिकायतों के बाद इंदौर, भोपाल, राजगढ़, खरगोन, भिंड और ग्वालियर के परिवहन अधिकारियों को दोषी बस संचालकों के खिलाफ सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में आरटीओ इंदौर ने भोपाल आरटीओ को पत्र लिखा है। इसमें खिलचीपुर से इंदौर मार्ग पर चलने वाली माँ वैष्णो ट्रेवल्स की बस के संचालक पर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया है। शिकायत के मुताबिक, बस के परिचालक दिव्यांगजनों से पूरा किराया वसूल रहे थे। उनके साथ अभद्रता करने के साथ दिव्यांगता का उपहास भी किया जा रहा था। यह शासन के आदेशों और दिव्यांगजन अधिकार का उल्लंघन है। दिव्यांगजनों की समस्याओं का जल्द निराकरण करने के लिए प्रदेश की प्रत्येक सरकारी स्थापना में शिकायत प्रतितोष अधिकारी नियुक्त करना अनिवार्य किया गया है। आयुक्त कार्यालय के निर्देशों के पालन में सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलसचिव ने आदेश जारी किया है। इसमें प्रशासन विभाग के सहायक कुलसचिव गौरीशंकर बरार को दिव्यांगजन शिकायत प्रतितोष अधिकारी नियुक्त किया गया है। वे दिव्यांगजन अधिकार नियम 2017 के तहत परिवाद रजिस्टर का संधारण करेंगे। साथ ही शिकायतों की जांच कर सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

टिकट और बस की फोटो भेजकर करें शिकायत

राज्य सरकार के आदेश के अनुसार मध्यप्रदेश में यात्री बसों में दिव्यांगजनों को किराए में 50 प्रतिशत की छूट देने का प्रावधान है। कोई भी बस ऑपरेटर उनसे पूरा किराया नहीं वसूल सकता। आयुक्त दिव्यांगजन कार्यालय ने प्रदेश के दिव्यांगजनों से अपील की है कि यदि कोई बस संचालक या परिचालक पूरा किराया मांगता है या अभद्र व्यवहार करता है, तो बस के टिकट और बस की फोटो खींचकर आयुक्त कार्यालय को भेजें। इसी तरह, यदि किसी सरकारी अस्पताल या मेडिकल कॉलेज में पार्किंग शुल्क मांगा जाता है, तो इसकी शिकायत भी सीधे आयुक्त कार्यालय में की जा सकती है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह

निकाह योजना में 164 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे



वेब वार्ता, भोपाल

मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह योजना के तहत शुक्रवार को भोपाल में सामूहिक विवाह एवं निकाह कार्यक्रम आयोजित किए गए। सेंट्रल लाइब्रेरी मैदान में आयोजित सामूहिक निकाह समारोह में 161 जोड़ों का निकाह संपन्न हुआ, जबकि हिंदी भवन में आयोजित कार्यक्रम में तीन जोड़े विवाह बंधन में बंधे। इस तरह कुल 164 जोड़ों ने नए जीवन की शुरुआत की। नगर निगम भोपाल एवं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के तत्वावधान में जोन क्रमांक-5 के वार्ड क्रमांक-19 स्थित सेंट्रल लाइब्रेरी मैदान में सामूहिक निकाह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें नायब काजी मौलवी अली कदर हुसैनी ने खुतबा देकर निकाह की रस्में पूरी कराईं। वहीं, मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह योजना के अंतर्गत हिंदी भवन में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में तीन जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया।

छात्र की मौत के बाद परिजनों का हंगामा, शव रखकर लगाया जाम



■ आरोप-जेल में तबीयत खराब होने पर समय पर नहीं मिला इलाज

वेब वार्ता, भोपाल

भोपाल में जेल में बंद छात्र की मौत के बाद परिजन शव स्ट्रेचर पर रखकर सीएम हाउस की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने सीएम हाउस से करीब 400 मीटर पहले चक्काजाम कर दिया है। इस दौरान 'पुलिस मुर्दाबाद' और 'छात्र के हत्यारों को फांसी दो' के नारे लगाए।

मौके पर सात थानों की पुलिस तैनात है। कंट्रोल रूम से भी अतिरिक्त बल बुलाया गया है। 21 साल के हर्षित राजपूत की गुरुवार रात हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई थी। वह दो महीने से भोपाल सेंट्रल जेल में बंद था। परिजन का आरोप है कि जेल में उसकी तबीयत खराब होने के बावजूद समय पर इलाज नहीं मिला। वे जिम्मेदार अधिकारियों पर तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

पुलिस के आला अधिकारी प्रदर्शनकारियों को लगातार समझाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन वे जिम्मेदारों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग पर अड़े हैं। प्रदर्शन के कारण न्यू मार्केट से पॉलिटेक्निक की ओर जाने वाली सड़क पर ट्रैफिक जाम है। शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम में देरी से नाराज परिजन ने मॉर्चुरी के बाहर हंगामा किया। उन्होंने पुलिस और जेल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की।

युवक को उल्टी-दस्त की शिकायत थी

जेल सुपरिंटेंडेंट मानवेंद्र सिंह परिहार ने बताया कि हर्षित को उल्टी-दस्त की शिकायत थी। जेल के डॉक्टर उसका लगातार इलाज कर रहे थे। डॉक्टर ने भी उसे इसी बीमारी से पीड़ित बताया था। इसकी जानकारी कोर्ट को भी दी गई थी। उन्होंने कहा कि हर्षित की मौत न्यायिक अभिरक्षा में हुई है, इसलिए यह कस्टोडियल डेथ का मामला है। इसकी न्यायिक जांच शुरू हो गई है। अस्पताल में भी उसे नियमानुसार रखा गया था। हर्षित के परिवार में माता-पिता के अलावा एक भाई और बहन हैं। उसके पिता गोदाम में काम करते हैं। जवान बेटे की मौत से परिवार सदमे में है।

भोपाल के माथुर को ब्रिटेन में मिला मार्केटिंग अवॉर्ड

■ 'मार्केटिंग फ्रीलांसर ऑफ द ईयर' के खिताब से किया सम्मानित

भोपाल। राजधानी के वीएफएक्स आर्टिस्ट, एनिमेटर और डायरेक्टर प्रतीक माथुर ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर उपलब्धि हासिल की है। ब्रिटेन के मैनचेस्टर में आयोजित 'प्रोलिफिक नॉर्थ मार्केटिंग अवार्ड्स 2026' में उन्हें 'मार्केटिंग फ्रीलांसर ऑफ द ईयर' के खिताब से सम्मानित किया गया। 19 नवंबर को आयोजित समारोह में प्रतीक को यह सम्मान दिया गया। इस श्रेणी में उत्तरी इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के नौ फाइनलिस्ट शामिल थे। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच प्रतीक ने सभी को पीछे छोड़ते हुए ट्रॉफी अपने नाम की। भोपाल में जन्मे प्रतीक ने यहीं से कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। वे पिछले 16 वर्षों से ब्रिटेन के फिल्म और क्रिएटिव उद्योग में सक्रिय हैं। उन्होंने 'हैरी पॉटर एंड द डेथली हैलोज़', 'मेन इन ब्लैक 3' और 'एक्स-मेनः एपोकैलिप्स' जैसी हॉलीवुड फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा वे बीबीसी, मैनचेस्टर सिटी फुटबॉल क्लब, ब्रिटिश म्यूज़ियम और कतर एयरवेज के प्रोजेक्ट्स से भी जुड़े रहे हैं। वर्ष 2012 में लंदन ओलंपिक के दौरान उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रतीक को इंग्लैंड के 'योपे पॉजिटिव रोल मॉडल' और 'बेडफोर्डशायर गोल्ड अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने देवउठनी एकादशी पर किया पूजन-अर्चन



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देवउठनी एकादशी और तुलसी विवाह के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया तथा प्रदेशवासियों को पर्व की मंगलकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि भगवान श्रीहरि विष्णु के चार माह की योगनिद्रा से जागृत होने और माता तुलसी के साथ भगवान शालिग्राम के शुभ विवाह का यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि का संचार करे, यही मंगलकामना है।

भोपाल में मांस बिक्री पर बैन

वेब वार्ता, भोपाल

नगर निगम ने दो धार्मिक अवसरों पर मांस बिक्री और पशुवध पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। साधु टीएल वासवानी के 147वें जन्मदिवस पर 25 नवंबर को संत हिरदाराम नगर क्षेत्र में मांस विक्रय की सभी दुकानें बंद रहेंगी। वहीं, संत जिन तरण तारण जयंती के अवसर पर 16 दिसंबर को पूरे भोपाल नगर निगम सीमा क्षेत्र में पशुवध के साथ मांस, मुर्गा और मछली की बिक्री पर नगर निगम द्वारा प्रतिबंध लगाया गया है। नगर निगम की ओर से जारी आदेश के अनुसार, 25 नवंबर को प्रतिबंध केवल बैरागढ़ क्षेत्र में लागू रहेगा, जबकि 16 दिसंबर को शहर के सभी क्षेत्रों में मांस विक्रय प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान संबंधित क्षेत्रों में पशुवध भी नहीं किया जा सकेगा। निगम ने स्पष्ट किया है कि प्रतिबंधित तारीखों पर यदि कोई दुकानदार मांस, मुर्गा या मछली बेचते हुए पाया जाता है तो उसका लाइसेंस निरस्त किया जाएगा।

सीलिंग मामले की सुनवाई अब न्यायमूर्ति नागरत्ना एवं सचदेवा की पीठ करेगी

■ अवैध भूपयोग, व्यावसायिक गतिविधियों और अनधिकृत निर्माण पर होगा फैसला

वेब वार्ता, भोपाल

राजधानी भोपाल में आवासीय परिसरों में अवैध व्यावसायिक उपयोग और अनधिकृत निर्माण के खिलाफ चल रही देशव्यापी कार्यवाही में महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। माननीय मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत ने लोगनाथन बनाम स्टेट ऑफ तमिलनाडु मामले को नई पीठ को सौंपा है। अब तक इस मामले कि सुनवाई माननीय न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह एवं माननीय न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ द्वारा की जा रही थी। जिन्होंने अवैध भूपयोग एव अवैध व्यावसायिक निर्माण और गतिविधियों के खिलाफ सख्त रूख अपनाते हुए नगर पालिका निगम को कठोर कार्यवाही करने के निर्देश जारी किए थे। अब मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना एवं न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा की अध्यक्षता वाली पीठ करेगी।

यह मामला मूल रूप से चेन्नई के एक आवासीय परिसर में अनधिकृत निर्माण और आवासीय संपत्ति के व्यावसायिक दुरुपयोग से जुड़ा था।



सुनवाई के दौरान माननीय न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह एवं माननीय न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने 25 मार्च 2026 को इस मामले का दायरा बढ़ाते हुए इसे अखिल भारतीय स्तर पर ले लिया था। इसके अंतर्गत सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की राजधानियों के नगर निगमों/नगर पालिकाओं को पक्षकार बनाकर उनसे विस्तृत शपथ-पत्र मांगे गए थे। उक्त पीठ ने 22 सितंबर को नगर निगमों को निर्देश दिया था कि जिन क्षेत्रों को केवल आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृत किया गया है, वहां व्यावसायिक गतिविधि पाए जाने पर प्रथम दृष्टया परिसर को सील किया जाए। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया था कि जिन क्षेत्रों का भू-उपयोग स्पष्ट रूप से निर्धारित नहीं है, उनकी जांच की जाए, पीठ ने यह भी कहा था कि लंबित मुकदमा या संपत्ति विवाद सीलिंग की कार्रवाई को नहीं रोक सकता।

व्याख्यान

एम्स भोपाल में संतुलित, तनावमुक्त और सफल जीवन पर विशेष व्याख्यान

सच्ची सफलता बाहरी उपलब्धियों में नहीं, शांति और संतोष में: स्वामी अच्युतानन्द

वेब वार्ता, भोपाल

एम्स भोपाल के आयुष विभाग ने योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इंडिया (वाईएसएस) के सहयोग से 'संतुलित, तनावमुक्त और सफल जीवन जीना' विषय पर विशेष सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किया। इसमें वाईएसएस के वरिष्ठ संन्यासी स्वामी अच्युतानन्द गिरि ने संतुलित जीवन, मानसिक शांति और आध्यात्मिक चेतना के महत्व पर विचार रखे। कार्यक्रम में एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) नरेंद्र कोतवाल (रिटायर) ने कर्म कौशलम् के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सच्ची सफलता केवल कार्य के परिणाम से नहीं, बल्कि जिम्मेदारियों को ईमानदारी,



समर्पण और सजगता के साथ निभाने से मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों और स्वास्थ्यकर्मियों से इन सिद्धांतों को अपने व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में अपनाने का आग्रह किया। स्वामी अच्युतानन्द गिरि ने कहा कि प्रत्येक मनुष्य की मूल आकांक्षा स्थायी सुख और आनंद प्राप्त करना है। श्री परमहंस योगानन्द की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने सत्-चित्-आनन्द की अवधारणा समझाई। उन्होंने कहा कि सच्ची सफलता अनावश्यक इच्छाओं को बढ़ाने में नहीं, बल्कि वास्तविक आवश्यकताओं की पूर्ति और संतोष में है। उन्होंने आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास के बावजूद मानसिक शांति के महत्व को रेखांकित किया। स्वामी जी ने कहा कि सुख केवल बाहरी परिस्थितियों पर निर्भर नहीं करता, बल्कि हमारा मानसिक दृष्टिकोण भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। किसी भी कार्य में सफलता के लिए एकाग्रता जरूरी है। उन्होंने इच्छाओं और क्रोध पर नियंत्रण रखने, बाहरी दुनिया में सुख तलाशने के बजाय आत्मचिंतन करने तथा क्रिया योग और ध्यान को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि क्रिया योग व्यक्ति को आंतरिक शांति और आध्यात्मिक जागरूकता की ओर ले जाने वाली विधि है।

गुर्दे की दुर्लभ बीमारियों पर डॉ. तान्या ने बेंगलुरु में दिया व्याख्यान

एम्स भोपाल के पैथोलॉजी एवं प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग की अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. तान्या शर्मा ने बेंगलुरु में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ रीनल एंड ट्रांसप्लांटेशन पैथोलॉजी की 19वीं वार्षिक बैठक आईएसआरटीपीकॉन-2026 में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्हें सम्मेलन में आमंत्रित संकाय सदस्य के रूप में बुलाया गया था। डॉ. शर्मा ने 'ट्यूबुलोइंटरस्टीशियल एंड वैस्कुलर लीजन्स ऑफ द किडनी' विषय पर व्याख्यान देते हुए गुर्दे की नलिकाओं, उनके आसपास के ऊतकों और रक्त वाहिकाओं में होने वाली विकृतियों की जानकारी दी। उन्होंने एम्स भोपाल में जांच के लिए आए गुर्दे की दुर्लभ और जटिल बीमारियों के मामलों को भी साझा किया। उन्होंने सही निदान के लिए क्लिनिको-पैथोलॉजिकल कोरिलेशन यानी मरीज के लक्षणों और प्रयोगशाला जांच के परिणामों का आपसी मिलान करने की आवश्यकता बताई।

स्वामी, प्रकाशक: अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85, सेक्टर-8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच-41ए, अबुल फज़ल एन्क्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली-110025 से प्रकाशित। संपादक: अली आदिल खान
RNI No: DELMUL/2012/47011 | Email :timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायलय के अधीन होंगे।